राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक ख़बरों के साथ

वर्ष 15, अंक 80 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, गुरुवार 29 जनवरी 2026 www.samaydarshan.in

दर्दनाक प्लेन हादसा

प्लेन हादसे में अजित पवार समेत 6 लोगों की मौत

मुंबई/ एजेंसी

महाराष्ट्र की राजनीति से एक स्तब्ध कर देने वाली खबर आई है। बुधवार, 28 जनवरी 2026 को उपमुख्यमंत्री अजित पवार का निजी विमान उनके गढ़ बारामती में लैंडिंग के दौरान भीषण हादसे का शिकार हो गया। इस दुर्घटना में अजित पवार समेत 6 लोगों की मौत हो गई है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार आज सुबह एक बड़े विमान हादसे का शिकार हो गए हैं। मौके से मिली जानकारी के अनुसार, यह दुखद घटना उस समय हुई जब पवार एक चुनाव प्रचार के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए बारामती जा रहे थे। लोगों ने बताया कि विमान जब लैंडिंग की कोशिश कर रहा था, तभी वह अनियंत्रित होकर क्रैश हो गया। इस विमान में अजित पवार के साथ उनके कुछ सुरक्षाकर्मी और वरिष्ठ अधिकारी भी सवार थे, जिनकी कुल संख्या 6 बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय प्रशासन से प्राप्त तस्वीरों के अनुसार, यह विमान बारामती के पास एक खुले खेत में जा गिरा। टक्कर इतनी जोरदार थी कि विमान के परखच्चे उड़ गए और उसमें तत्काल भीषण आग लग गई। घटनास्थल से आ रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि पूरा विमान जलकर राख में तब्दील हो चुका है और आसमान में काले धुएं का गुबार छाया हुआ है। विमान का मलबा चारों तरफ फैला हुआ है और स्थानीय लोगों की भारी भीड़ वहां जमा हो गई है। इस दर्दनाक हादसे में उपमुख्यमंत्री अजित पवार का निधन हो गया। हादसे की खबर मिलते ही दिल्ली में मौजूद पवार परिवार के

सदस्य बारामती के लिए रवाना हो गए हैं। सांसद सुप्रिया सुले, सुनेत्रा पवार और पार्थ पवार दिल्ली में शरद पवार के आवास पर एकत्रित हुए और वहां से एक साथ महाराष्ट्र के लिए निकले हैं। पूरे प्रदेश में अजित पवार के समर्थकों के बीच शोक की लहर दौड़ गई है। सोशल मीडिया और समाचार माध्यमों पर वायरल हो रहे वीडियो और तस्वीरों में दुर्घटना की विचलित करने वाली झलक देखी जा सकती है। घटनास्थल से जो वीडियो सामने आए हैं, उनमें विमान पूरी तरह से जलकर राख होता दिखाई दे रहा है। विमान के गिरने के बाद आसमान में गहरे काले धुएं का गुबार उठता देखा गया, जिससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि विमान के गिरने के बाद हुए धमाके की आवाज दूर-दूर तक सुनी गई। घटनास्थल पर विमान के मलबे के चीथड़े बिखरे हुए हैं, जिससे यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि टक्कर कितनी जोरदार रही होगी। स्थानीय लोग बड़ी संख्या में क्रैश साइट पर जमा हो गए हैं और राहत कार्यों में मदद की कोशिश कर रहे हैं। हादसे की जानकारी मिलते ही स्थानीय प्रशासन और पुलिस बल तुरंत सक्रिय हो गया। मौके पर कई एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड की गाड़ियां रवाना की गई हैं। चिकित्सा सहायता के लिए डॉक्टरों की एक विशेष टीम को भी घटनास्थल पर पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन की पहली प्राथमिकता विमान में सवार लोगों की सुरक्षा और आग पर काबू पाना है। अजित पवार महाराष्ट्र की राजनीति का एक बड़ा चेहरा हैं, ऐसे में इस हादसे की खबर ने पूरे प्रदेश में हड़कंप मचा दिया है।

उनके समर्थकों और राजनीतिक सहयोगियों में चिंता की लहर है। हालांकि, आधिकारिक तौर पर अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं की गई है कि हादसे के वक्त विमान में अजित पवार के अलावा और कौन-कौन सवार था और उनकी वर्तमान स्थिति क्या है। विमानन विशेषज्ञों के अनुसार, लैंडिंग के समय विमान का क्रैश होना कई कारणों से हो सकता है, जिनमें अचानक इंजन का फेल होना, हवा के दबाव में बदलाव या पायलट की दृश्यता में कमी शामिल हो सकती है। इस विशेष हादसे की जांच के लिए नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) की टीम भी शामिल हो सकती है, जो यह पता लगाएगी कि क्या विमान के रखरखाव में कोई कमी थी या यह एक मानवीय भूल का परिणाम था। फिलहाल, बारामती और आसपास के इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और जांच टीमें साक्ष्य जुटाने में लगी हुई हैं। यह खबर अभी अपडेट की जा रही है और प्रशासन की ओर से विस्तृत बयान का इंतजार है।

पीएम मोदी ने जताया शोक

उन्होंने लिखा, अजित पवार जनता के नेता थे, जिनका ज़मीनी स्तर पर लोगों से मज़बूत जुड़ाव था। महाराष्ट्र के लोगों की सेवा करने में सबसे आगे रहने वाले एक मेहनती व्यक्ति के तौर पर उनका बहुत सम्मान किया जाता था। प्रशासनिक मामलों की उनकी समझ और गरीब और पिछड़े लोगों को सशक्त बनाने का उनका जुनून भी काबिले तारीफ था। उनका असमय निधन बहुत चौंकाने वाला और दुखद है। उनके परिवार और अनगिनत प्रशंसकों के प्रति संवेदनाएं। ओम शांति।

अमित शाह ने जताया दुख

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्लेन क्रैश में अजित पवार के निधन पर शोक जताया। उन्होंने पोस्ट कर लिखा, आज एक दुःखद हादसे में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और हम सभी के वरिष्ठ साथी अजित पवार जी को खो देने की सूचना से मन अत्यंत व्यथित है। अजित पवार जी ने बीते साढ़े तीन दशकों में जिस प्रकार महाराष्ट्र के हर वर्ग के कल्याण के लिए खुद को समर्पित किया।

ऐसी कभी कल्पना नहीं की थी

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने दुखी मन से छोड़ा माघ मेला

प्रयागराज/ एजेंसी

प्रयागराज में चल रहे माघ मेला से शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने दुखी मन से विदा लेने का ऐलान किया है। बुधवार सुबह आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि वह आस्था और श्रद्धा के साथ माघ मेला में आए थे, लेकिन परिस्थितियां ऐसी बन गईं कि बिना स्नान किए ही लौटना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रयागराज हमेशा से शांति, विश्वास और सनातन परंपराओं की भूमि रही है और यहां से इस तरह लौटना उनके लिए बेहद पीड़ादायक है। शंकराचार्य ने बताया कि एक ऐसी घटना घटी, जिसकी उन्होंने कभी कल्पना नहीं की थी, जिससे उनका मन व्यथित हो गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि माघ मेला में स्नान करना उनके लिए केवल एक धार्मिक कर्म नहीं, बल्कि आस्था का विषय था। बावजूद इसके, मौजूदा हालात में उन्होंने मेला छोड़ने का कठिन निर्णय लिया। उनके इस फैसले के बाद संत समाज और श्रद्धालुओं में चर्चा तेज हो गई है। शंकराचार्य ने कहा कि हमने अन्याय को अस्वीकार किया है और न्याय की प्रतीक्षा

करेंगे। आज शब्द साथ नहीं दे रहे स्वर बोझिल है। प्रयागराज की धरती पर जो कुछ घटित हुआ उसने हमारी आत्मा को झकझोर दिया है। संगम में स्नान किए बिना विदा ले रहे हैं। आज हम यहां से जा रहे हैं, लेकिन अपने पीछे सत्य की गूंज छोड़कर जा रहे हैं। सब कुछ कहा जा चुका है। कल शाम और प्रातः काल प्रशासन की ओर से हमारे मुख्य कार्यधिकारी को एक प्रस्ताव प्रशासन की ओर से भेजा गया था। जिसमें कहा गया कि आप जब जाना चाहेंगे हम आपको ससम्मान स्नान कराने के लिए तैयार हैं। सभी अधिकारी मौजूद रहकर पुष्पवर्षा करेंगे, लेकिन इसमें उस दिन की घटना के लिए क्षमा याचना नहीं की गई थी। हमें लगा यदि हम स्नान कर लेंगे और पुष्प वर्षा करवा लेंगे तो उस दिन की बात अधूरी रह जाएगी। ज्योतिर्मठ के पीठाधीश्वर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद जी महाराज ने कहा कि जो असली मुद्दा है, जिसके लिए दस दिन तक हम फुटपाथ पर बैठे रहे। इतना लंबा समय दिया, लेकिन दस ग्यारह दिन बीत जाने के बाद जब जाने का निर्णय लिया तब प्रशासन की ओर से ऐसा प्रस्ताव सामने आया। इसलिए हमने स्वीकार नहीं किया, अगर प्रशासन का आग्रह स्वीकार करके स्नान कर लेता तो अपने भक्तों के साथ न्याय नहीं कर पाता। शंकराचार्य ने कहा जो मुगलों के समय में हुआ वही आज हो रहा है। एक तरफ गृहमंत्री का बयान आया है कि संतों का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वहीं माघ मेले में संतों को उनकी चोटी और शिखा पकड़कर घसीटा गया और पीटा गया। आज यहां जो अपमान हुआ ये सरकार का दोहरा चरित्र उजागर करता है। शंकराचार्य ने दो मिनट का मौन रखकर संतों का अपमान करने वालों को दंड मिले ऐसी भगवान से प्रार्थना की। संगम तट पर हमारी भौतिक हत्या का प्रयास किया गया। इन दिनों हमारी पीठ की हत्या का प्रयास हुआ वो सफल रहा। ये हत्या अगर यहां का प्रशासन कर रहा होता तो ठीक है।

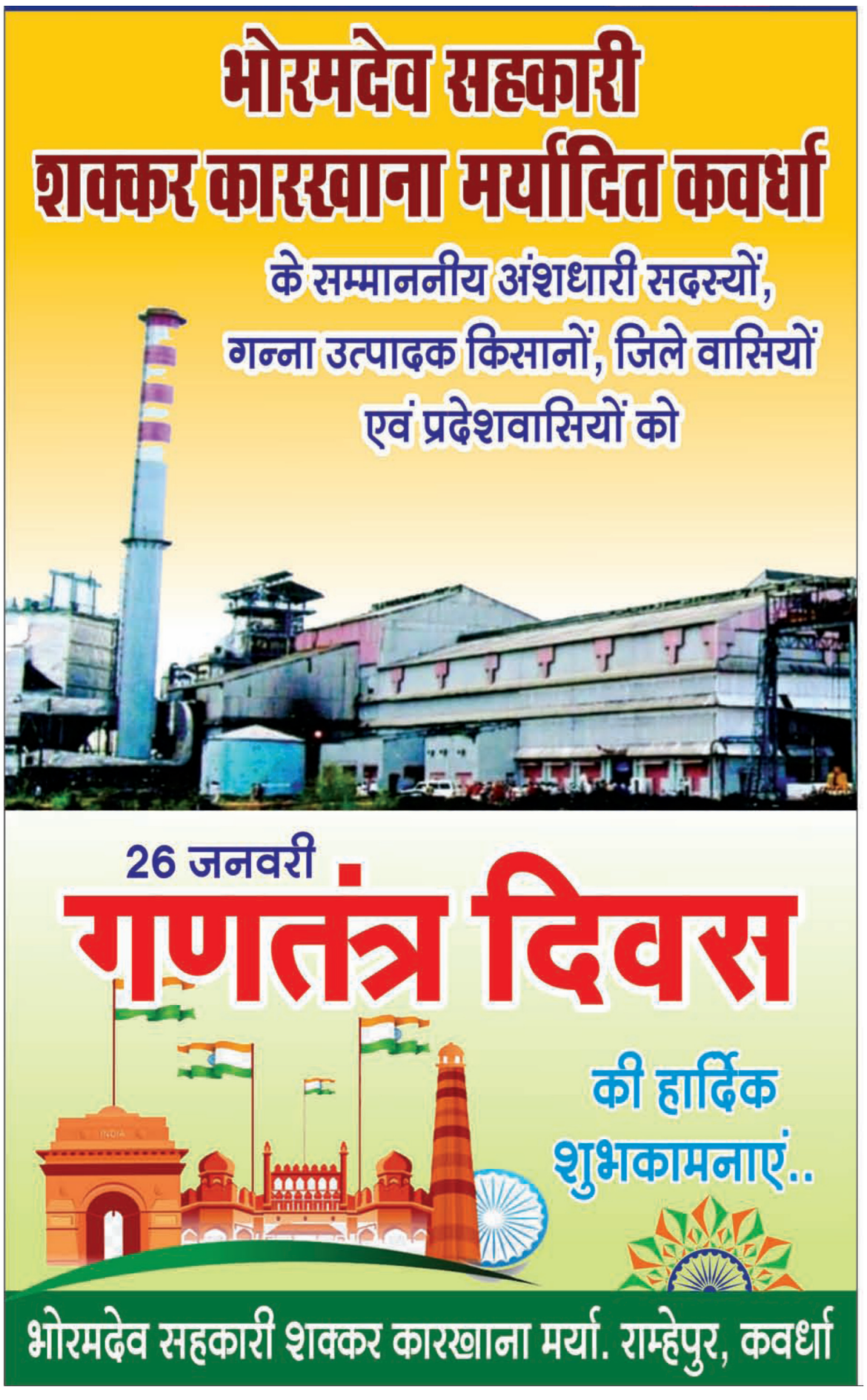

संक्षिप्त समाचार

सखी वन स्टॉप सेंटर के संचालन हेतु सेवा प्रदाताओं के स्वीकृत पदों पर भर्ती हेतु दावा आपत्ति आमंत्रित

जांजगीर-चांपा/ भारत सरकार ने एकीकृत महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम अंतर्गत महिलाओं के सुरक्षा, संरक्षण एवं सशक्तिकरण हेतु एक अम्ब्रेला योजना मिशन शक्ति की शुरूआत की है। मिशन शक्ति अम्ब्रेला योजनांतर्गत दो उपयोजना संबल एवं समर्थ शामिल है। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग ने बताया कि संबल उपयोजना अंतर्गत जिले में संचालित सखी वन स्टॉप सेंटर जांजगीर में दैनिक कार्यों के संचालन व सभी सुसंगत कार्यवाहियों के लिए रिक्त सेवा प्रदाताओं के 08 पद की पूर्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किया गया था। प्राप्त आवेदन पत्रों का प्राविधिक सूची का प्रकाशन करते हुए 30 जनवरी से 05 फरवरी 2026 तक कार्यालयीन समय 05.30 बजे तक कार्यालय जिला कार्यकम अधिकारी महिला एवं बाल विकास जिला जांजगीर-चांपा में दावा आपत्ति आमंत्रित किया गया है। प्राविधिक सूची का विस्तृत विवरण जिले की वेबसाईट https://janjgir-champa.gov.in व कार्यालय के सूचना पटल पर देख सकते है। स्पीड पोस्ट/रजिस्टर्डर डाक या व्यक्तिगत रूप से उपस्थिति होकर भी दावा आपत्ति का आवेदन प्रस्तुत कर सकते है।

रायपुर में 29, 30 एवं 31 जनवरी को होगा राज्य स्तरीय रोजगार मेला

सारंगढ़ बिलाईगढ़,(समय दर्शन)कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग द्वारा 29, 30 एवं 31 जनवरी 2026 को शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय सेजबहार रायपुर में राज्य स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन किया जा रहा है। रोजगार मेला में निजी क्षेत्र के तकनीकी एवं गैर तकनीकी के लगभग 15 हजार पदों पर चयन हेतु साक्षात्कार लिया जाएगा। राज्य स्तरीय रोजगार मेला में 30 जनवरी 2026 को सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के 1513 आवेदकों का इंटरव्यू लिया जाएगा। रोजगार मेला में शामिल होने के लिए ऑनलाईन पोर्टल ईरोजगार डॉट सीजी डॉट जीओवी डॉट इन www.erojgar.cg.gov.in में रोजगार पंजीयन एवं रोजगार मेला के लिए पंजीयन आवश्यक है। जिन आवेदकों ने ऑनलाईन पोर्टल में रोजगार पंजीयन एवं रोजगार मेला हेतु पंजीयन नहीं किया है, वह पोर्टल पर अपना पंजीयन कर सकते हैं। रोजगार मेला में साक्षात्कार के लिए शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को समस्त शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र की ओरिजिनल और फोटोकॉपी , 2 पासपोर्ट साईज फोटो, आधार कार्ड, अनुभव प्रमाण पत्र सहित अन्य दस्तावेज को साथ लाना होगा। इस संबंध में विस्तृत जानकारी जिला रोजगार एवं स्वरोजगार अधिकारी रामजीत राम से मोबाइल नंबर 9424184279 से प्राप्त की जा सकती है।

नशा मुक्ति भारत अभियान के तहत ग्राम पंचायतों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मुंगेली(समय दर्शन)कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार जिले को नशामुक्त बनाने लगातार प्रयास किया जा रहा है। इसी कड़ी में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित एकीकृत पुनर्वास केन्द्र के माध्यम से नशा मुक्ति जागरूकता का आयोजन किया गया। अभियान का उद्देश्य युवाओं एवं ग्रामीण नागरिकों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराकर समाज को नशामुक्त बनाने की दिशा में प्रेरित करना है। इस दौरान स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा ग्राम पंचायत लालाकापा एवं फरहदा में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नशा छोड़ने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणजनों को नशे से होने वाली शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक हानियों के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। अभियान के तहत उपस्थित नागरिकों को नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ जीवन अपनाने की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर ग्रामवासियों ने नशामुक्त समाज निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में नशा मुक्ति केंद्र मुंगेली के प्रभारी सहित अन्य गणमान्य नागरिक, शिक्षक, शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

शंकराचार्य निश्चलानंद सरस्वती वेद और विज्ञान के समन्वय पर विद्यार्थियों का करेंगे मार्गदर्शन

शैलदेवी महाविद्यालय में तीन दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार आज से, जुटेंगे 2 हजार विद्यार्थी

दुर्ग (समय दर्शन)। भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने का मुहिम छेड़े श्री गोवर्धनमठ पुरी पीठाधीश्वर शंकराचार्य श्री निश्चलानंद सरस्वती महाराज दुर्ग जिले के ग्राम अंडा स्थित शैल देवी महाविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में भारतीय ज्ञान परंपरा एवं विज्ञान व वेदांत विषय पर विद्यार्थियों से सीधे संवाद कर उनका मार्गदर्शन करेंगे। राष्ट्रीय सेमिनार को लेकर शंकराचार्य महाराज 29, 30 और 31 जनवरी को ग्राम अंडा (दुर्ग) के तीन दिवसीय प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान शंकराचार्य श्री निश्चलानंद सरस्वती महाराज शैलदेवी महाविद्यालय कैंपस में राष्ट्रीय सेमिनार और धर्मसभा को संबोधित करेंगे। राष्ट्रीय सेमिनार में शोधार्थी छात्रों द्वारा अपने शोध पत्र भी प्रस्तुत किए जाएंगे वहीं शंकराचार्य श्री निश्चलानंद सरस्वती महाराज द्वारा श्रद्धालुओं को दीक्षा भी दिलाई जाएगी। इसके लिए पंजीयन करवाना अनिवार्य है। राष्ट्रीय सेमिनार का शुभारंभ 29 जनवरी को सुबह 11:30 बजे होगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग के कुलपति प्रो. संजय तिवारी होंगे। कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ वक्ता के रूप में अटल बिहारी वाजपेई विश्वविद्यालय बिलासपुर के कुलपति प्रो. अरुण दिवाकर नाथ वाजपेई, शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज रीवा (मध्य प्रदेश) के प्रो. उत्तम द्विवेदी, शासकीय कमलादेवी राठी महिला पीजी कॉलेज राजनांदगांव के प्रो. ओंकार लाल श्रीवास्तव, शैलदेवी महाविद्यालय अंडा दुर्ग के चेयरमैन राजन कुमार दुबे मौजूद रहेंगे। राष्ट्रीय सेमिनार में करीब 2 हजार से अधिक विद्यार्थी शामिल होंगे। शंकराचार्य श्री निश्चलानंद सरस्वती महाराज के धर्मसभा एवं अन्य धार्मिक कार्यक्रम में श्रद्धालुओं का प्रवेश पूर्णता नि:शुल्क होगा। यह बातें शैलदेवी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. केएन मिश्रा ने बुधवार को मीडिया से चर्चा में कही। इस दौरान आयोजन समिति के नीतीश तिवारी, रोहन झा, एवन कुमार भी मौजूद रहे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. केएन मिश्रा ने बताया कि यह पूरा कार्यक्रम शंकराचार्य श्री निश्चलानंद सरस्वती महाराज के सानिध्य में आयोजित किया गया है। निर्धारित कार्यक्रम अनुसार शंकराचार्य महाराज का 29 जनवरी की शाम 5 बजे शैलदेवी महाविद्यालय में आगमन होगा। वें 30 और 31 जनवरी को दर्शन, संगोष्ठी व

धर्मसभा में विद्यार्थियों के अलावा श्रद्धालुओं का मार्गदर्शन करेंगे। दोनों दिन यह कार्यक्रम सुबह 11:30 बजे से शुरू होकर शाम 5 बजे तक चलेगा। 1 फरवरी की शाम 5 बजे शंकराचार्य महाराज रायपुर आश्रम के लिए प्रस्थान करेंगे। प्राचार्य डॉ.

केएन मिश्रा ने बताया की नई पीढ़ी को विज्ञान की समझ है, लेकिन वेद और विज्ञान का समन्वय स्थापित कैसे होगा, इन सारे विषयों से विद्यार्थियों को अवगत कराना राष्ट्रीय सेमिनार का मुख्य उद्देश्य है। डॉ. मिश्रा ने बताया की नई शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान व परंपराओं को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है। जिसके माध्यम से अलग-अलग सिद्धांतों को बताया गया है भारतीय ज्ञान व परंपराओं को लेकर युवा पीढ़ी को जागरुक कर उन्हें नैतिक मूल्यों का बोध करवाना है, ताकि वे भारत निर्माण में अपना शत प्रतिशत सहयोग दे सके।

आमापाली के स्कूल प्रांगण में मनाया गया 77 वीं गणपर्व

बसना (समय दर्शन)। 77 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर शासकीय उच्च प्राथमिक शाला आमापाली में हर्षोल्लास के साथ विभिन्न गतिविधियों का आयोजन सम्पन्न हुआ।

सर्व प्रथम संस्था प्रमुख के द्वारा राष्ट्रध्वज फहराया गया।

झण्डा सलामी, राष्ट्र गान पश्चात देश भक्ति से ओतप्रोत झांकी के साथ प्रभात फेरी निकाली गई।

स्कूल की झांकी जब ग्राम भ्रमण किया गया तो,गांव की माताओं के द्वारा रंगोली सजा कर , कलश स्थापित कर पुष्प वर्षा करते हुए भारत माता की पूजा अर्चना की गई।

बहुसंख्य नागरिकों ने बच्चों के उत्साह वर्धन हेतु विद्यालय में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुतियां बच्चों के द्वारा उत्साह, उमंग के साथ दी गई। सांस्कृतिक कार्यक्रम में भीड़ अंतिम समय तक बना रहा। बच्चों के उत्साह वर्धन हेतु नागरिकों के द्वारा पारितोषिक प्रदान की गई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच श्वेत कुमार सिदार एवं मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त प्रधानपाठक पृथ्वीराज साहू ने की। गणमान्य नागरिकों का सहयोग भी विद्यालय परिवार को प्राप्त होता रहा है। कक्षा 8वीं एवं 5वीं में प्रथम स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को मथामणि मिश्रा एवं दरसराम सोनी के द्वारा पारितोषिक के साथ साथ प्रशस्ति पत्र प्रदान प्रति वर्ष किया जाता है,

जिसे इस वर्ष भी प्रदान किया गया।

सफाई कर्मचारी को प्रोत्साहित करने तथा मध्याह्न भोजन बनाने वाले रसोईयाओं के कार्य से प्रसन्न होकर मथामणि मिश्रा द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में ग्रामीण बंधुओं, शिक्षक साथियों,स्वच्छता कर्मियों, रसोईयाओं का विशेष योगदान रहा। प्रधान पाठक भावेश कुमार साव ने आभार व्यक्त किया तथा कार्यक्रम संचालन छबिमन्यु सढ़ंगी ने किया।

आयुष स्वास्थ्य मेला में 765लोग लाभान्वित

सारंगढ़ (समय दर्शन)छ ग़ शासन आयुष विभाग के आदेशानुसार एवं कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे के संरक्षण तथा जिला आयुर्वेद अधिकारी डॉ सी एस गौराहा के कुशल मार्गदर्शन में ग्राम जशपुर कछार विकासखंड सारंगढ़ जिला सारंगढ़ बिलाईगढ में द्वितीय आयुष स्वास्थ्य मेला शिविर गांधी चौक दुर्गा मंदिर परिसर मे आज दिनांक 28/1/2026 को सम्पन्न हुआ। जिसमें 765 लोगों ने अपना स्वास्थ्य परीक्षण करा कर नि:शुल्क में दवा प्राप्त कर लाभान्वित हुए । जिसमें 585 आयुर्वेद 180 होम्योपैथ पद्धति से तथा 50 लोगों का हीमोग्लोबिन परीक्षण एवं 250 लोगों का रक्त शर्करा जांच किया गया ।

आयुष स्वास्थ्य मेला का शुभारम्भ जनपद सदस्य चंद्रिका चंद्र प्रकाश श्रीवास सरपंच विधाता पटेल उप सरपंच माधुरी एकादशीयां राकेश संजय साहू पंच लक्ष्मी माली पंच त्रलेश्वर जायसवाल दरस श्रीवास प्रकाश राकेश अशोक आदित्य पंच ओम प्रकाश माली पद्म माली पंच की गरिमामयी उपस्थिति में भगवान धन्वंतरि के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर एवं नारियल फोड़कर किया गया।

उद्बोधन स्वरूप प्रकाश राकेश द्वारा जड़ी बूटियों के रहस्यों और प्राथमिक उपचार पर प्रकाश डाला गया। तथा अधिक से अधिक संख्या में आकर लाभ लेने के लिए कहा गया। उप सरपंच द्वारा आयुर्वेद की महत्ता पर प्रकाश डाला गया।

इस आयुष स्वास्थ्य मेला में 765 मरीजों का रोग निदान कर नि:शुल्क दवाई वितरण किया गया। इस शिविर में डॉ यशवंत स्वर्णकार जिला नोडल अधिकारी आयुष, डॉ करुणासागर पटेल, डॉ शेष बहादुर यादव, डॉ वसीम खान, डॉ अशोक कुमार पाण्डेय डॉ बेदराम पटेल डॉ राजीव प्रकाश सेन डॉ बद्रीविशाल पंकज डॉ स्वाती पटेल आयुर्वेद फार्मासिस्ट श्री सखाराम निराला श्री भरतलाल बरिहा श्री जगदीश सिदार श्री उमेश चौहान श्री कुशल प्रसाद जांगड़े श्री नरेश पटेल श्री माया राम औषधालय सेवक श्री राम प्रसाद खूंटे श्रीमती पद्मिनी पटेल बहुउद्देशीय कार्यकर्ता श्रीमती प्रतिभा साहू ने बहुमूल्य सहयोग दिया। वश्री कपिल मिंज द्वारा रक्त परीक्षण की व्यवस्था की गई तथा प्रियंका सिदार ष्ट।ह्व एवं नीरा ग्रामीण स्वास्थ्य आयोजक महिला स्वास्थ्य विभाग की सक्रिय सहभागिता रही। शिविर समापन एवं आभार उद्बोधन स्वरूप शिविर प्रभारी डॉ यशवन्त कुमार स्वर्णकार जिला नोडल अधिकारी आयुष द्वारा लोगों को दिन चर्या, ऋतु चर्या पालन करने पर प्रकाश डाला गयाऔर शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की गई।

शिक्षक संघ बसना के अध्यक्ष बने श्रीमती सरिता दानी

बसना (समय दर्शन)। शिक्षक संघ के प्रदेशाध्यक्ष संजय सिंह ठाकुर एवं कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष उमेशभारती गोस्वामी के निर्देशन में जिला पर्यवेक्षक अशोक शर्मा की उपस्थिति में शासकीय उच्च प्राथमिक शाला बंसुला में शिक्षक संघ इकाई बसना का निर्वाचन सम्पन्न हुआ ।

जिसकी घोषणा निर्वाचन अधिकारी सुशील कुमार सिन्हा ने किया। जिसमें अध्यक्ष पर श्रीमती सरिता दानी ,उपाध्यक्ष रमेश पटेल, सचिव दिनेश डड़सेना एवं सहसचिव ध्रुव बारीक, कोषाध्यक्ष मणीलाल पटेल ,मंत्री हरिचरण चौधरी एवं उप मंत्री नेहरूलाल पटेल एवं प्रमुख कार्यकारणी सदस्य के रूप मे रामदास प्रधान, श्रीमती मनिषा कुमार , डेहरी लाल पटेल, नरसिंह खुटे निर्वाचित हुए।

संघ के नव निर्वाचित सचिव दिनेश डड़सेना ने बताया कि, प्रदेश अध्यक्ष के सन्दर्भित पत्र के परिपालन

में शिक्षक संघ विकासखण्ड इकाई बसना का निर्वाचन कार्यक्रम निर्धारित तिथि एवं समय अनुसार सभादित किया गया।

शासकीय उच्च प्राथमिक शाला बंशुला के प्रांगण में विधिवत निर्वाचन की प्रक्रिया सम्न्न की गई। निर्धारित वर्षों के विरुद्ध निर्धारित संख्या में आवेदन प्राप्त हुए। प्राप्त आवेदनों की जांच के उपरान्त निम्नांकित पदाधिकारियों के निर्वाचन की घोषणा मिर्वाचन अधिकारी द्वारा की गई।

अध्यक्ष - श्रीमती सरिता दानी सचिव दिनेश डडसेना,कोषाध्यक्ष मणीलाल पटेल,मंत्री हरिचरण चौधरी,

उपाध्यक्ष रमेश पटेल, उप सचिव ध्रुवकुमार बारिक,उप मंत्री नेहरूलाल पटेल कार्यकारिणी सदस्य रामदास प्रधान,श्रीमती मनिषा कुमार, डेहरीलाल पटेल,नरसिंह खुटे निर्वाचित हुए।

बम्हनी-चारभांठा में विराट हिंदू सम्मेलन 1 फरवरी को, धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का होगा आयोजन

छुरिया। ब्लॉक मुख्यालय से 6 किलोमीटर की दूरी पर स्थित ग्राम बम्हनी-चारभांठा में आगामी 1 फरवरी, रविवार को विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। यह सम्मेलन सुबह 10 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक चलेगा। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम की शुरुआत हिंदू देवी-देवताओं के तैलचित्र पर पूजा-अर्चना से की जाएगी। समारोह की शुरुआत एक भव्य कलश यात्रा से होगी, जो गांव की प्रमुख गलियों से होती हुई हाई स्कूल मैदान, स्टेडियम के सामने पहुंचेगी। इस यात्रा में गांव की माताएं और बहनें सक्रिय रूप से भाग लेंगी। मुख्य कार्यक्रम स्थल पर रामायण मानस गायन होगा, जिसमें सुप्रसिद्ध रामायण मंडली प्रभु श्रीरामचंद्र जी की महिमा का बखान करते हुए मानव जीवन में उनके योगदान और उपयोगिता को समझाएगी। इसके अलावा, इस कार्यक्रम में साधु संतों द्वारा हिंदू समाज, पूजा पद्धति और रीति-रिवाजों पर व्याख्यान भी दिए जाएंगे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अतिथि और वक्ता देशधर्म और संस्कृति पर अपने विचार रखेंगे, और साथ ही क्षेत्र में जबरदस्ती धर्मांतरण, बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार, और हिंदुओं को जिंदा जलाने जैसी घटनाओं पर प्रकाश डालते हुए हिंदू समाज को एकजुट होने की अपील करेंगे। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी प्रस्तुति होगी, जिसमें छत्तीसगढ़ी लोक कला, भारतीय संस्कृति, और हिंदू धर्म पर आधारित विभिन्न विषयों पर उद्बोधन, जस-जंवारा गीत और बस्तर अंचल की लोक कलाओं का प्रदर्शन किया जाएगा। सम्मेलन में विभिन्न समाज प्रमुखों का स्वागत एवं सम्मान भी किया जाएगा, जहां उन्हें साल और श्रीफल देकर सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में सभी अतिथियों के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था की गई है। यह आयोजन बम्हनी-चारभांठा, बखरूटोला, आमगांव, गेरूघाट, मोहगांव, केशोटोला, गिधवाभंवर, पड़रामटोला, बेंदाडी, झाड़ीखैरी, मालडोंगरी, खेडेपार, नदियाखुर्द, बीजेपार सहित आसपास के 15-20 गांवों के सर्व हिंदू समाज द्वारा किया जा रहा है। सर्व हिंदू समाज प्रमुखों ने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि वे इस ऐतिहासिक आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में भाग लें और इस धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम को सफल बनाएं।

सामुदायिक सहभागिता शिक्षक पालक सह माता उनमुखीकरण कार्यक्रम बड़े टेमरी में आयोजित

बसना(समय दर्शन)। विकासखंड बसना के बड़े टेमरी में सामुदायिक सहभागिता शिक्षक पालक सह माता उनमुखीकरण कार्यक्रम बड़े टेमरी में आयोजित हुआ।

जिसमें कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मोहित पटेल जनपद उपाध्यक्ष, अध्यक्षता प्रकाश सिन्हा जनपद सभापति, अति विशिष्ट अतिथि मधु खूंटे सभापति जनपद पंचायत बसना, दीपा अरुण साहू जनपद सदस्य,मिलाप निराला जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि,बद्री विशाल जोल्हे विकासखंड शिक्षा अधिकारी बसना, अनिल सिंह साव विकासखंड स्त्रोत समन्वयक बसना,विशिष्ट अतिथि यज्ञ राम सिदार प्राचार्य, पंचानंद ठाकुर प्राचार्य, हरे कृष्ण प्रधान, मनोज नायक, डमरूधर चौधरी, गिरिजा साहू, जितेन्द्र बुडेक, रोहित पटेल समन्वयक, संतलाल पटेल समन्वयक मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

प्रकाश सिन्हा ने बताया कि माता बच्चों की पहली गुरु होती है बच्चा जब स्कूल से घर लौटता है तो पारिवारिक रिश्तों में उनकी माँ ही होती है जो बच्चे से उनके दिन भर की गतिविधि जानना चाहती है और प्रत्येक गतिविधि पर गंभीर होकर बच्चे को बताती है कि उसके लिए क्या सही है और क्या गलत है।उपरोक्त विचार आज दिनांक 28/ 1/ 2026 को

शासकीय हाई स्कूल बड़े टेमरी में विकासखंड स्तरीय सामुदायिक सहभागिता योजना अंतर्गत शिक्षक पालक सम्मेलन सह माता उन्मुखीकरण कार्यक्रम में वक्तव्य किये।सिन्हा ने अपने उद्बोधन में बताया कि वह जो कुछ भी है उसमें उनकी माता का उनके गुरु जनों का संपूर्ण योगदान है। कार्यक्रम में माता उन्मुखीकरण के साथ-साथ पूर्व सैनिक सम्मान समारोह भी आयोजित किया गया था जिसमें बसना क्षेत्र के लगभग 10 पूर्व सैनिक ने ड्रेस कोट व बैच के साथ अपनी उपस्थिति दिया और पूरे कार्यक्रम में आकर्षण के केंद्र रहे।

कार्यक्रम में जनपद उपाध्यक्ष मोहित पटेल ने अपने उद्बोधन में इस कार्यक्रम का और शिक्षा विभाग बसना की भूरी भूरी प्रशंसा किए।कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम की भी धूम रही।समग्र शिक्षा और शिक्षा विभाग द्वारा आगंतुक अतिथियों का शाल श्रीफल व प्रतीक चिन्ह देखकर स्वागत किया गया साथ ही पूर्व सैनिकों को भी शाल श्रीफल देकर सम्मानित किया गया बसना विकासखंड में उल्लेखनीय करने वाले प्राचार्य,समन्वयक एवं शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

इस कार्यक्रम में महत्वपूर्ण योगदान शिक्षा विभाग के बद्री विशाल जोल्हे विकासखंड शिक्षा अधिकारी बसना,अनिल सिंह साव विकासखंड स्त्रोत समन्वयक बसना, प्राचार्यगण एवं संकुल समन्वयक ने महती योगदान दिया।उत्कृष्ट आयोजन हेतु जिला शिक्षा अधिकारी विजय लहरे, डीएमसी रेखराज शर्मा ने बधाई दिये।

निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण जलापूर्ति के लिए पेयजल योजनाओं का प्रभावी संचालन व अनुरक्षण सुनिश्चित करना जरूरी – श्री अरुण साव

केंद्र सरकार और राज्यों के बीच पंचायतों को हस्तांतरित पेयजल योजनाओं के संचालन एवं रखरखाव पर मंथन

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्री अरुण साव भारत सरकार द्वारा जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्रामीण पेयजल सेवाओं के प्रभावी संचालन एवं अनुरक्षण (ह्व×रू) के लिए आयोजित मिनिस्टर्स लेवल पॉलिसी डायलॉग ऑन सस्टेनेबल ओएंडएम ऑफ रुरल ड्रिंकिंग वाटर सर्विसेस (Ministers Level Policy Dialogue on Sustainable O&M of Rural Drinking Water Services) में शामिल हुए। नई दिल्ली में आयोजित इस नीति संवाद की अध्यक्षता केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल एवं केंद्रीय पंचायती राज मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह ने की। बैठक में केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री श्री वी. सोमन्ना, भारत सरकार के सचिव एवं अतिरिक्त सचिव सहित देश के विभिन्न राज्यों के लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग के मंत्री भी शामिल हुए। इस संवाद कार्यक्रम में भारत सरकार और विभिन्न राज्यों के बीच ग्रामीण जलापूर्ति व्यवस्था को दीर्घकालिक, सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने गहन विचार-विमर्श किया गया।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने नीति संवाद में छत्तीसगढ़ में जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित कार्यों, जमीनी स्तर पर आ रही चुनौतियों तथा राज्य की उपलब्धियों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मिशन के तहत निर्मित पेयजल योजनाओं को पंचायतों को हस्तांतरित करने के बाद उनका प्रभावी संचालन एवं अनुरक्षण सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में निरंतर, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण जलापूर्ति बनी रहे। श्री साव ने पंचायतों की भूमिका, स्थानीय सहभागिता और तकनीकी सहयोग को जलापूर्ति व्यवस्था की स्थिरता का आधार बताया। बैठक में देश के विभिन्न राज्यों से प्राप्त व्यावहारिक अनुभवों एवं सुझावों पर भी गहन चर्चा हुई, जिससे जमीनी स्तर पर जलापूर्ति व्यवस्था को और अधिक सशक्त, टिकाऊ तथा जनहितकारी बनाने के लिए जरूरी कदम उठाए जा सकें। राज्य की ओर से जल जीवन मिशन के मिशन संचालक श्री जितेंद्र शुक्ला, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के प्रमुख अभियंता श्री ओंकेश चंद्रवंशी, अधीक्षण अभियंता श्री ए.के. मालवे तथा कार्यपालन अभियंता श्री संजय राठौर ने भी बैठक में भागीदारी की।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव की नई दिल्ली में केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी से मुलाकात

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री श्री अरुण साव ने आज नई दिल्ली में केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर राज्य शासन द्वारा प्रस्तावित विभिन्न सड़क परियोजनाओं को मंजूर करने का आग्रह किया। उन्होंने श्री गडकरी से बिलासपुर शहर में यातायात का दबाव कम करने बायपास निर्माण, रायपुर और बिलासपुर के बीच भारतमाला परियोजना के अंतर्गत रायपुर (आरंग) से बिलासपुर (दर्री) तक 6-लेन मार्ग की मंजूरी तथा मुंबई-नागपुर समृद्धि मार्ग का विस्तार रायपुर तक करने का अनुरोध किया। उन्होंने छत्तीसगढ़ में 13 राष्ट्रीय राजमार्गों के उन्नयन के साथ ही 8 सड़कों को नवीन राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने का भी आग्रह किया।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने मुलाकात के दौरान केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी को अवगत कराया कि बिलासपुर शहर में लगातार बढ़ती आबादी और वाहनों के कारण यातायात का काफी दबाव है, जिससे निरंतर जाम की स्थिति बनी रहती है। उन्होंने इसके समाधान के लिए राज्य शासन के प्रस्ताव के अनुसार भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (ह्व्रद्ब) के माध्यम से शहर के बाहर से होकर उच्च न्यायालय बोदरी से सेंदरी तक करीब 32 किमी लंबा फोरलेन बायपास स्वीकृत करने का अनुरोध किया। यह बायपास बिलासपुर शहर के प्रस्तावित ट्रांसपोर्ट नगर और लॉजिस्टिक पार्क को रायपुर-बिलासपुर राष्ट्रीय राजमार्ग से सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। साथ ही शहर के भीतर यातायात के दबाव को प्रभावी तरीके से कम करते हुए औद्योगिक विकास संचार तंत्र एवं नियोजित शहरी विस्तार को बढ़ावा देगा।

श्री साव ने राज्य के उत्तरी हिस्से में कोल माइन्स एवं दक्षिणी हिस्से में आयरन माइन्स को देखते हुए औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ाने, कोयला एवं लौह अयस्क के परिवहन, स्टील व सीमेंट उत्पाद को बाहर भेजने तथा प्रदेशवासियों के सुचारू आवागमन के लिए मुंबई-नागपुर समृद्धि मार्ग को ग्रीन फील्ड सड़क के रूप में रायपुर तक विस्तारित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि रायपुर-नागपुर-मुंबई एक्सेस कंट्रोल 8-लेन कनेक्टीविटी से राज्य में औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने श्री गडकरी से भारतमाला परियोजना के अंतर्गत रायपुर के आरंग से बिलासपुर के दर्री तक लगभग 95 किमी 6-लेन मार्ग के निर्माण की मंजूरी प्रदान करने का अनुरोध किया।

बिहान योजना से आत्मनिर्भर बनीं द्रौपती बांधे बनी लखपति दीदी

रायपुर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत बिहान योजना ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इसी क्रम में मुंगेली जिले के विकासखण्ड पथरिया अंतर्गत ग्राम बरछा निवासी श्रीमती द्रौपती बांधे ने बिहान योजना से जुड़कर आत्मनिर्भरता की दिशा में सफलता प्राप्त की है।

बिहान योजना के अंतर्गत जय लक्ष्मी महिला स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद उनके जीवन में बदलाव की नई शुरुआत हुई। समूह के ध्यम से उन्हें ऋण सुविधा प्राप्त हुई। प्राप्त ऋण राशि का सही उपयोग करते हुए श्रीमती द्रौपदी बांधे ने सब्ज़ी उत्पादन और विक्रय का कार्य प्रारंभ किया। उन्होंने न केवल फसल उगाई, बल्कि उसे बाज़ार में बेचकर नियमित आय अर्जित करना भी शुरू किया।

द्रौपती बांधे ने बताया कि पहले उनकी मासिक आय, जो पहले लगभग 20 हजार रूपए थी, अब बढ़कर 50 हजार रूपए तक पहुँच गई। जिससे वे समय पर ऋण चुकाने में सक्षम हुईं और साहूकारों पर निर्भरता समाप्त हो गई। उन्होंने बताया कि समूह से जुड़ने से पहले श्रीमती द्रौपदी बांधे की आर्थिक स्थिति अत्यंत कमजोर थी। परिवार की आय के साधन सीमित थे और रोज़मर्रा की आवश्यकताओं को पूरा करना भी कठिन हो जाता था। छोटी-मोटी मजदूरी और अस्थायी कार्यों पर निर्भर रहना पड़ता था। आर्थिक तंगी के कारण उन्हें गाँव के साहूकारों से ऊँचे ब्याज दर पर कर्ज लेना पड़ता था, जिससे उनकी स्थिति और अधिक दयनीय हो जाती थी। परिवार की शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण संबंधी ज़रूरतें पूरी नहीं हो पा रही थीं, लेकिन अब वे पूरी तरह आत्मनिर्भर हो चुकी हैं। उन्होंने योजना के लिए शासन-प्रशासन के प्रति आभार जताया।

निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यों का रोल ऑब्जर्वर श्री अभिनव गुप्ता ने किया निरीक्षण

रायपुर। निर्वाचक नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रमङ्क2026 के अंतर्गत भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के लिए नियुक्त रोल ऑब्जर्वर श्री अभिनव गुप्ता, अतिरिक्त महानिदेशक, विदेश व्यापार महानिदेशालय, नई दिल्ली ने 27 जनवरी को बेमेतरा एवं कबीरधाम जिलों का दौरा कर विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) से संबंधित कार्यों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान श्री गुप्ता ने बेमेतरा जिले के तहसील कार्यालय में तार्किक त्रुटियों (लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी) वाले प्रकरणों की क्लस्टर स्तर पर सुनवाई, दस्तावेज परीक्षण तथा फॉर्म-6 एवं फॉर्म-7 के ऑनलाइन निराकरण की प्रक्रिया का अवलोकन किया। उन्होंने विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 68ङ्कसाजा के मतदान केंद्र क्रमांक 01, ग्राम अगरी में आयोजित सुनवाई का निरीक्षण कर आयोग के निर्देशों के अनुरूप कार्य संपादित करने के निर्देश दिए। श्री गुप्ता ने बेमेतरा नगरपालिका क्षेत्र के बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) की बैठक लेकर उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की तथा बीएलओ एप के माध्यम से संचालित गतिविधियों की जानकारी ली।

इसी क्रम में रोल ऑब्जर्वर श्री गुप्ता द्वारा कबीरधाम जिले में भी विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यों का निरीक्षण किया गया। जिले के ग्राम पंचायत छिरहा में आयोजित शिविर में सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी श्री विकास जैन द्वारा की जा रही सुनवाई प्रक्रिया का अवलोकन किया । उन्होंने शिविर में उपस्थित विभिन्न मतदान केन्द्रों के बीएलओ एवं मतदाताओं से चर्चा कर आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया। उन्होंने तहसील कार्यालय कवर्धा में नो मैपिंग एवं तार्किक त्रुटियों से संबंधित मतदाताओं की सुनवाई के दौरान प्रस्तुत दस्तावेजों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर तहसीलदार एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

संक्षिप्त समाचार

टाटा मोटर्स ने अगली पीढ़ी के 17 ट्रकों को लॉन्च किया, सुरक्षा, मुनाफे और प्रगति के लिए नए मानक स्थापित किए

नई दिल्ली: भारतीय ट्रकिंग के परिदृश्य को बदलने वाले एक ऐतिहासिक कदम में, टाटा मोटर्स, भारत का सबसे बड़ा वाणिज्यिक वाहन निर्माता और मोबिलिटी समाधान प्रदाता, ने आज 7 से 55 टन तक की क्षमता वाले 17 ट्रकों का अपना अगली पीढ़ी का पोर्टफोलियो लॉन्च किया, जो सुरक्षा, लाभ और प्रगति में नए मानक स्थापित करता है। यह व्यापक लॉन्च नई अजुरा सीरीज, अत्याधुनिक टाटा Trucks.ev रेंज, और मशहूर प्राइमा, सिग्ना तथा अल्ट्रा प्लेटफॉर्म्स में महत्वपूर्ण अपग्रेड पेश करता है। ये ट्रक दुनिया के कड़े सुरक्षा नियमों (ECE R29 03) के हिसाब से बने हैं और इनका मकसद ट्रांसपोर्टर्स की बचत बढ़ाना, रखरखाव का खर्चा कम करना और काम को आसान बनाना है। नए ट्रकों को लॉन्च करते हुए, श्री गिरीश वाघ, एमडी एवं सीईओ, टाटा मोटर्स लिमिटेड ने कहा, भारत में ट्रकिंग का क्षेत्र सरकारी नीतियों, बेहतर सड़कों और सुरक्षित व साफ-सुथरे ट्रांसपोर्ट की मांग के कारण तेजी से बदल रहा है। टाटा मोटर्स ने हमेशा से इस बदलाव में आगे रहकर नए बेंचमार्क स्थापित किए हैं जोकि इंडस्ट्री के भविष्य को आकार देते हैं। इसी सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए हमने अपनी अगली पीढ़ी के ट्रक पेश किए हैं, जिनमें नई सीरीज, दो उन्नत शक्तिशाली उच्च दक्षता पावरट्रेन, भारत के व्यापक जीरो एमिशन वाले इलेक्ट्रिक ट्रकों की रेंज और हमारे नए I-MOEV आर्किटेक्चर पर आधारित टिपर रेंज और यूरोपीय मानकों वाले कैबिन एवं उद्योग में अग्रणी सुरक्षा फीचर्स, ज्यादा पेलोड और ईंधन दक्षता में उल्लेखनीय अपग्रेड शामिल हैं। इन ट्रकों को फ्लीट एज डिजिटल सेवाओं से भी जोड़ा गया है ताकि इन्हें चलाना और ट्रैक करना आसान हो। हमारा हमेशा बेहतर करने (बेटर ऑलवेज़) का विचार हमें हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। हम नई चीजें बनाने में लगातार मेहनत करते हैं, स्थानीय उत्पादन पर ज्यादा ध्यान देते हैं, और ग्राहकों की सफलता पर मजबूती से फोकस रखते हैं। ये सब आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करते हैं, जो भारत को आत्मनिर्भर बनाने में मदद करता है और पर्यावरण-अनुकूल परिवहन में लीडर बनने की इच्छा को मजबूत करता है।

हिमालया वेलनेस और आरसीबी महिला टीम ने भारत की भावी महिला क्रिकेटरों को तैयार करने के लिए हाथ मिलाया

रायपुर । अगर आपका क्रिकेट रोल मॉडल आपके फोन से ही आपका मार्गदर्शन कर सके, आपको प्रेरित कर सके और आपके सफर को दिशा देने में मदद कर सके तो कैसा रहेगा? भारत के नंबर 1 फेस वॉश ब्रांड हिमालया वेलनेस ने राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर vder-woman Academy का अनावरण किया। यह शुरुआत vder-woman पहल की गति को आगे बढ़ाते हुए, जो युवा लड़कियों को चुनौतियों से उबरने में सहायता करती है और उन्हें अपने चुने हुए क्षेत्रों में नंबर 1 बनने के लिए प्रेरित करती है। यह प्लेटफॉर्म युवा लड़कियों और उनकी पसंदीदा महिला क्रिकेटरों के बीच की दूरी को कम करणे के लिए तैयार किया गया है। vderwoman Academy महिलाओं को आगे बढ़ने के लिए असली और ठोस मौके देने के उद्देश्य से बनाई गई है। इस पहल का मूल आधार एक संवाद-आधारित, इंटरएक्टिव अनुभव है जो मेंटरशिप को पहले से कहीं अधिक सुलभ बनाता है। vderwoman Academy के माध्यम से, हिमालया वेलनेस देश भर की उभरती हुई युवा क्रिकेटरों को आमंत्रित कर रहा है, जहां वे 100 स्कॉलरशिप में से किसी एक को पाने का अवसर हासिल कर सकती हैं। इसके साथ ही उन्हें आरसीबी महिला टीम से सीधे प्रेरणादायक सामग्री, क्रिकेट से जुड़े इनसाइट्स और आत्मविश्वास बढ़ाने वाला मार्गदर्शन भी मिलेगा। एक इंटरैक्टिव चैटबॉट के रूप में डिज़ाइन की गई यह अकादमी, आरसीबी टीम के स्वागत संदेश से शुरू होती है और आरसीबी की महिला खिलाड़ियों से मिलने वाली व्यक्तिगत प्रतिक्रियाओं और सुझावों तक जाती है। यह अनुभव प्रतिभागियों को व्यक्तिगत और आसान लगे, इस तरह तैयार किया गया है, ताकि प्रेरणा सिर्फ बातों तक सीमित न रहे, बल्कि उसे अमल में लाया जा सके और रोल मॉडल सच में मार्गदर्शन देने वाले बन सकें। जो प्रतिभागी यह यात्रा पूरी करेंगे, उन्हें सर्टिफिकेट दिया जाएगा। साथ ही, उनका आख़िरी आवेदन स्कॉलरशिप के लिए माना जाएगा, जो हिमालया की दीर्घकालिक और सार्थक प्रभाव पैदा करने की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। इस पहल के शुभारंभ पर बात करते हुए, राजेश कृष्णमूर्ति, बिज़नेस डायरेक्टर ङ्क कंज़्यूमर प्रोडक्ट्स डिवीजन, हिमालया वेलनेस कंपनी, ने कहा,हिमालया में, हमारा दृष्टिकोण ऐसी उद्देश्यपूर्ण पहलों की शुरुआत पर आधारित है जो परिणामों के रूप में प्रभाव दिखाएं। vderwoman Academy अकादमी के शुभारंभ के साथ, हम प्रेरणा से आगे बढ़कर कार्रवाई की दिशा में कदम उठा रहे है और युवा लड़कियों के लिए सीख, आत्मविश्वास और दीर्घकालिक विकास को समर्थन देने वाला वाला एक स्पष्ट व व्यवस्थित मार्ग बनाकर इस प्रतिबद्धता को मजबूत कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने पुलिस विभाग के 255 करोड़ रुपए की लागत के विकास कार्यों का किया वर्चुअली लोकार्पण

आधारभूत सुविधा मिलने से पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सकारात्मक वातावरण में कार्य करने की मिलेगी प्रेरणा : मुख्यमंत्री श्री साय

साइबर पुलिस थाना जिला-रायगढ़ | साइबर पुलिस थाना जिला- बलौदाबाजार-भाटापारा | साइबर पुलिस थाना जिला-जांजगीर-चांपा | साइबर पुलिस थाना जिला-जशपुर

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज पुलिस मुख्यालय नया रायपुर से वर्चुअली जुड़कर विभिन्न जिलों में 8 नए साइबर थानों और 255 करोड़ रुपए की लागत से तैयार पुलिस आवासीय भवनों तथा थाना भवनों का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों और पुलिस के जवानों को इस विशेष पहल के लिए शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस मौके पर कहा कि आज का दिन पुलिस विभाग के लिए अत्यंत सौभाग्य का है, क्योंकि 255 करोड़ रुपए के विभिन्न निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रेजेंटेशन के माध्यम से हमने देखा कि साइबर थाना, एसडीओपी कार्यालय, चौकी भवन, ट्रांजिट हॉस्टल एवं आवासीय भवन अत्यंत सुंदर और सुविधाजनक बनाए गए हैं। मुख्यमंत्री ने गुणवत्तापूर्ण निर्माण के लिए संबंधित एजेंसियों की सराहना करते हुए कहा कि इन सुविधाओं से पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सकारात्मक वातावरण में कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी और वे अपने कर्तव्यों का और अधिक प्रभावी ढंग से निर्वहन कर सकेंगे। श्री साय ने कहा कि सरकार का सतत प्रयास है कि कर्मचारियों और अधिकारियों को बेहतर आवास एवं कार्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, जिससे प्रदेश में कानून व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ हो सके। उन्होंने कहा कि यह एक अच्छी शुरुआत है और इससे सुदूर अंचलों तक भी सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जा सकेगा। उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री श्री विजय शर्मा ने बताया कि प्रदेश में साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए अनेक स्थानों पर साइबर पुलिस थानों की शुरुआत की जा रही है। आज जशपुर, रायगढ़ और राजनांदगांव जिलों सहित कुल 8 नए साइबर थानों का शुभारंभ किया गया है। इससे पूर्व प्रदेश के पांच जिलों में साइबर थाना संचालित हैं। भविष्य में आवश्यकता के अनुसार अन्य जिलों में भी साइबर थाने स्थापित किए जाएंगे। इसके साथ ही चार जिलों में भारत वाहिनी के कैंपस, नौ जिलों में नए थाना भवन, माना में सेंट्रल आर्म्ड फोर्स की चौकी तथा आवासीय भवनों का भी लोकार्पण किया गया। गृहमंत्री श्री शर्मा ने 255 करोड़ रुपए की लागत से पूर्ण हुए इन निर्माण कार्यों एवं 8 नए साइबर थानों की स्वीकृति और लोकार्पण के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर मुख्य सचिव श्री विकास शील, अपर मुख्य सचिव श्री मनोज कुमार पिंगुआ, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध कुमार सिंह, पुलिस महानिदेशक श्री अरुण देव गौतम, मुख्यमंत्री के सचिव श्री राहुल भगत, गृह विभाग के सचिव श्री हिमशिखर गुप्ता, पुलिस महानिदेशक पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन श्री पवन देव, एडीजी श्री एसआरपी कल्लूरी, एडीजी श्री प्रदीप गुप्ता, एडीजी विवेकानंद सिन्हा, एडीजी श्री दीपांशु काबरा, एडीजी श्री अमित कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। साथ ही वनमंत्री श्री केदार कश्यप, उद्योग मंत्री श्री लखन लाल देवांगन, विधायक श्री योगेश्वर राजू सिन्हा, विधायक श्री भईया लाल रजवाड़े, श्री ललित चंद्राकर, विधायक श्रीमती रायमुनि भगत एवं जनप्रतिनिधि वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम में सहभागी रहे। उल्लेखनीय है कि आज मुख्यमंत्री ने बालोद जिले के 21वीं भारत रक्षित वाहिनी करकाभाट, पुलिस थाना भवन सनौद, महासमुंद जिले के 20वीं भारत रक्षित वाहिनी परसदा, धमतरी जिले के पुलिस चौकी भवन करेलीबड़ी, रायपुर जिले के सेन्ट्रल आर्म्स स्टोर, 4थीं वाहिनी माना, ट्रांजिट हॉस्टल, बस्तर जिले के 19वीं भारत रक्षित वाहिनी करनपुर, बीजापुर जिले के पुलिस थाना भवन तर्रेम, पुलिस थाना भवन नैमेड़, सुकमा जिले के पुलिस थाना भवन चिंतागुफा, पुलिस थाना भवन चिंतलनार, कांकेर जिले के 22वीं भारत रक्षित वाहिनी भीरावाही, नारायणपुर जिले के पुलिस थाना भवन भरण्डा, पुलिस थाना भवन बैनुर, ट्रांजिस्ट हॉस्टल नारायणपुर, दुर्ग जिले के पुलिस थाना भवन पद्मनाभपुर, पुलिस थाना भवन पुलगांव, 36 अराजपत्रित एवं 48 प्रधान आरक्षक आवासगृह, एस.डी.ओ.पी. कार्यालय भवन धमधा, बेमेतरा जिले के एस.डी.ओ.पी. कार्यालय भवन बेरला, राजनांदगांव जिले के एस.आई.बी. फिल्ड यूनिट, ट्रांजिट हॉस्टल, दुर्ग, सूरजपुर जिले के पुलिस चौकी कुदरगढ़, कोरिया जिले के 24 अराजपत्रित एवं 144 प्र.आर./आरक्षक आवासगृह बैकुण्ठपुर एवं ट्रांजिट हॉस्टल बलरामपुर का लोकार्पण किया।

संपादकीय

बैडमिंटन टूर्नामेंट गैर जरूरी विवाद से घिरा

2026 में भारत वर्ल्ड चैंपियनशिप की मेजबानी करने वाला है। भारत 2036 ओलंपिक की मेजबानी का भी दावेदार है। इस बीच विदेशी खिलाड़ियों की शिकायतों से भारत की इंफ्रास्ट्रक्चर और पर्यावरण प्रबंधन क्षमता को लेकर खराब छवि बन सकती है। भारत की मेजबानी व्यवस्था पर डेनमार्क के खिलाड़ियों के गंभीर सवाल उठाने से इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट गैर-जरूरी विवाद से घिर गया है। भारतीय जनमत के एक हिस्से ने आलोचनाओं को सहज स्वीकार नहीं किया है। बल्कि किंडबी श्रीकांत जैसे बड़े खिलाड़ी जवाब देने के अंदाज मे यह बताने की हद तक चले गए हैं कि डेनमार्क में व्यवस्था भारत से कहीं खराब रहती है। बहरहाल, ऐसे जवाबों से मूलभूत समस्याओं का समाधान नहीं होगा। नजरिया सुधार का नहीं रहा, तो उसका असर भविष्य में भारत की खेल मेजबानियों पर पड़ सकता है। विश्व के नंबर तीन खिलाड़ी और चार बार के वर्ल्ड चैंपियनशिप पदक विजेता एंडर्स एंटोनसन नई दिल्ली में वायु प्रदूषण के कारण लगातार तीसरे साल टूर्नामेंट में भाग लेने नहीं आए। विवाद हुआ, तो दिल्ली के एक्यूआई डेटा का स्क्रीन शॉट सोशल मीडिया पर डालते हुए कहा कि यह बैडमिंटन खेलने के लिए उपयुक्त नहीं है। टूर्नामेंट में ना आने के कारण बैंटमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन ने उन पर 5000 डॉलर का जुर्माना लगाया है। बहरहाल, टूर्नामेंट में आईं डेनमार्क की ही खिलाड़ी मिया ब्लिचफेल्ट ने प्रशिक्षण स्थल जाधव इंडोर स्टेडियम और प्रतियोगिता स्थल इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में गंदगी और धूल की शिकायत की। कहा कि यह खेल योग्य स्वस्थ माहौल नहीं है। इसी विवाद के बीच इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में खेल के दौरान बंदर के घुस आने की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुईं। 2026 में भारत वर्ल्ड चैंपियनशिप की मेजबानी करने वाला है। उसके पहले अंतरराष्ट्रीय ख्याति के खिलाड़ियों की इस तरह की शिकायतें दुर्भाग्यपूर्ण हैं। भारत 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए भी गंभीर दावेदार है। इस बीच विदेशी खिलाड़ियों की शिकायतें भारत की इंफ्रास्ट्रक्चर और पर्यावरण प्रबंधन क्षमता को लेकर नकारात्मक छवि बना सकती हैं। उससे भारत के खुद को स्पोर्ट्स हब के रूप में पेश करने के प्रयासों पर खराब असर हो सकता है। इसलिए भारत को इन शिकायतों को चेतावनी के रूप में लेना चाहिए। स्टेडियम में स्वच्छता, बेहतर प्रशिक्षण सुविधाएं, वायु प्रदूषण पर नियंत्रण, और खिलाड़ियों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा मानकों पर खरा उतरने को मिशन की तरह लिया जाना चाहिए।

झूठ के प्रचार की सजा तो जरूर मिलनी चाहिए

सुनील दास

किसी झूठ के प्रचार से लोगों की धार्मिक भावना आहत हो सकती है,खासकर सोशल मीडिया के जमाने में कोई भी झूठ मिनटों में लाखों करोड़ो लोगों तक फैल सकता है,वह उस पर भरोसा कर सकते हैं भीड़ सड़क पर उतर सकती है, हिंसा कर सकती है। लोगों की जान जा सकती है,इससे राज्य व समाज को धन व जन का नुकसान हो सकता है इसलिए अब जरूरी हो गया है कि जानबूझकर जो लोग समाज में झूठ का प्रचार लोगों को भड़काना चाहते है,उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई हो, उनको सजा मिले ताकि फिर कोई कभी किसी तरह के झूठ का प्रचार करने की हिम्मत न करे।पीएम के संसदीय क्षेत्र में कुछ लोगों ने इस झूठ का प्रचार सोशल मीडिया पर किया है कि वाराणसी के मणिकर्णिका घाट के पुनर्विकास कार्य के दौरान अहिल्या बाई होल्कर की मूर्ति व अन्य कलाकृतियों को नुकसान पहुंचा है। जिला प्रशासन ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि सभी मूर्तियां व कलाकृतियां सुरक्षित है तथा घाट का काम पूरा होने के बाद उन्हें वापस स्थापित किया जाएगा। बिना सच जाने लोगों ने सोशल मीडिया पर फैलाए गए झूठ पर यकीन किया और बयानबाजी भी शुरू हो गई।कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि मणिकर्णिका घाट के नाम पर शहर की आत्मा व सनातन संस्कृति पर हमला किया जा रहा है।कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने कहा कि मणिकर्णिका घाट की दुर्लभ प्राचीन विरासत को जीर्णोध्दार के बहाने ध्वस्त करने का अपराध किया है। इस मामले में सच को सामने लाने के लिए यूपी के सीएम योगी को सामने आना पड़ा क्योंकि कांग्रेस के चुनाव के दौरान झूठ से भाजपा को राजनीतिक नुकसान हुआ है, इसलिए भाजपा अब कांग्रेस के हर झूठ को लेकर सजग है,सच बताने का तुरंत प्रयास करती है। सीएम योगी ने मणिकर्णिका घाट के पुनर्विकास कार्य के दौरान राजमाता अहिल्या बाई होल्कर की मूर्ति समेत अन्य धरोहरों के टूटने के आरोपों को लेकर उपजे विवाद को लेकर कांग्रेस को दोषी ठहराया है।उन्होंने कहा है कि देश की सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत के संरक्षण के प्रयासों में बाधा डालने और जनभावनाओं को भड़काकर विकास कार्यों को रोकने का कांग्रेस का पुराना इतिहास है।मणिकर्णिका घाट पर मूर्तियों के टूटने को लेकर फैलाया जा रहा भ्रम कांग्रेस के इसी साजिश का हिस्सा है।कांग्रेस ने एआई से मूर्तियों के टूटने का वीडियो बनाकर दुष्प्रचार किया है।यह लोगों को गुमराह करने वाला है और अपराध की श्रेणी में आता है।ऐसा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।.यह काशी को बदनाम करने की साजिश है इसलिए मुझे सामने आना पडा। सीएम योगी ने बताया कि किसी व्यक्ति के मर जाने पर उसका अंतिम संस्कार स्वच्छ सुरक्षित व गरिमापूर्ण वातावरण में हो, इसी उद्देश्य से मणिकर्णिका घाट का पुनर्विकास किया जा रहा है ताकि गंगा में बाढ़ के दौरान भी अंतिम संस्कार निर्बाध रूप से हो,गंगा जल की गुणवत्ता प्रभावित न हो। हजारों सालों से अंतिम संस्कार की परंपरा का निर्वहन करते आ रहे डोम समुदाय के सम्मान और आजीविका का ध्यान रखते हुए आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जाएगा।सीएम योगी ने कहा था मणिकर्णिका घाट को लेकर झूठ कहने वालों तथा प्रचार करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी तो ऐसा किया भी किया है। एआई के बनी झूठी तस्वीरें प्रसारित करने के मामले में आठ लोगों को पुलिस ने नोटिस भेजा है।इनमें आप सासंद संजय सिंह,सांसद पप्पू यादव,कांग्रेस नेता जसविंदर कौर शामिल हैं। इन्हें 72 घंटे में नोटिस का जवाब देने को कहा गया है। शुरुआती जांच में इंटरनेट मीडिया पर डाली गईं मणिकर्णिका घाट की तस्वीरे फर्जी पाई गई हैं।

कनाडा के प्रधानमंत्री की स्वदेशी अपनाने की अपील का संदेश

अशोक मधुप

कनाडा के प्रधानमंत्री ने अपने देश के नागरिकों से स्वदेशी उत्पादों को अपनाने की अपील की है। ट्रंप प्रशासन द्वारा कनाडाई उत्पादों पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने की धमकी को देखते हुए ये अपील की गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा को चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि वह चीन के साथ व्यापार समझौता करता है तो वह कनाड़ा पर सौ फीसदी टैरिफ लगाएंगे। ट्रंप की इस चेतावनी के बाद एक वीडियो संदेश में कनाडा के प्रधानमंत्री कार्नी ने देशवासियों से स्वदेशी उत्पाद अपनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि 'कनाडा की अर्थव्यवस्था पर बाहरी दबाव है। ऐसे में कनाडा के लोगों के पास यही रास्ता है कि वो ही सामान खरीदें, जो कनाडा में बने हों। दूसरे देश क्या करते हैं, हम उसे नियंत्रित नहीं कर सकते। जो हमारे नियंत्रण में है उसपर फोकस करें। हम ही कनाडा के सबसे अच्छे ग्राहक हैं और हमें कनाडा में बने उत्पाद खरीदने चाहिए ताकि देश को मजबूत बनाया जा सके। अमेरिका और कनाडा दोनों देशों के बीच ट्रंप के दोबारा सत्ता में आने के बाद तल्खी तब और बढ़ गई जब ट्रंप ने कई बार कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की बात कही, हालांकि पिछले साल कार्नी ने व्हाइट हाउस में ट्रंप से मुलाकात की थी। इस मुलाकात के दौरान उन्होंने साफ शब्दों में कहा था कि कनाडा बिकाऊ नहीं है। आज जो हालात कनाडा के साथ हैं, वही दुनिया के कई अन्य देशों के साथ हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप कभी भारत तो धमकी देते हैं तो कभी चीन को। ग्रीनलैंड का समर्थन करने वाले देशों को भी इस तरह की उनकी हाल में धमकी आई है। इस तरह की धमकी एक व्यापक वैश्विक प्रवृत्ति का हिस्सा है। बड़ी शक्तियों छोटी शक्ति और देशों को दबाकर रखना चाहती हैं। वे छोटे और सम्प्रभू देशों को अपना गुलाम बनाकर रखना पसंद करती है। अपने पर निर्भर बनाए रखना चाहती है। इस तरह के आसन्न खतरे को भारत ने पहले ही भांप लिया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी काफी समय से स्वदेशी अपनाने पर वैसे ही नही जोर दे रहे। भारत में स्वदेशी का विचार कोई नया नहीं है। यह हमारी राष्ट्रीय चेतना का एक महत्वपूर्ण अंग रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस विचार को आत्मनिर्भर भारत अभियान के माध्यम से नया आयाम दिया है। वोकल फॉर लोकल का नारा देते हुए उन्होंने देशवासियों से भारतीय उत्पादों को अपनाने और उन्हें वैश्विक बनाने का आह्वान किया है। यह दृष्टिकोण केवल आर्थिक नहीं बल्कि राष्ट्रीय गौरव और आत्मसम्मान से भी जुड़ा हुआ है। जब हम अपने देश में बने उत्पादों को प्राथमिकता देते हैं, तो हम न केवल अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करते हैं बल्कि रोजगार के नए अवसर भी पैदा करते हैं। दूसरे देशों पर हमारी निर्भरता कम होगी। उनका हम पर दबाव कम होगा।

स्वदेशी की अवधारणा को समझने के लिए हमें महात्मा गांधी के स्वदेशी आंदोलन को याद करना होगा। गांधीजी ने स्वदेशी को केवल आर्थिक रणनीति के रूप में नहीं देखा था, बल्कि इसे स्वराज और आत्मनिर्भरता के व्यापक दर्शन का हिस्सा माना था। उनका मानना था कि जब तक हम आर्थिक रूप से परतंत्र रहेंगे, तब तक वास्तविक स्वतंत्रता संभव नहीं है। इसलिए उन्होंने विदेशी वस्त्रों के बहिष्कार और चरखे से बने खादी को अपनाने पर जोर दिया। गांधीजी के लिए चरखा केवल कपड़ा बनाने का साधन नहीं था, बल्कि यह आर्थिक स्वतंत्रता और सामाजिक परिवर्तन का प्रतीक था।

दरअसल अंग्रेजों के शासन से पहले जरूरत का सारा सामान हमारे यहां गांवङ्गगांव और आसपास में पैदा होता हैं। जरूरत का काफी सामान हम अपने घर तैयार कर लेते थे। अंग्रेजों ने इस व्यवस्था को बड़े-बड़े उद्योग लगाकर खत्म कर दिया।

महात्मा गांधी ने स्वदेशी का महत्व समझा। उनका स्वदेशी आंदोलन भारत के स्वतंत्रता संग्राम का एक महत्वपूर्ण हथियार बना। उन्होंने लोगों को समझाया कि जब हम विदेशी वस्तुओं का उपयोग करते हैं, तो हम न केवल अपने देश की संपत्ति को बाहर भेज रहे हैं, बल्कि अपने कारीगरों और श्रमिकों को भी बेरोजगार कर रहे हैं। उनका मानना था कि प्रत्येक भारतीय को अपने गांव और अपने देश में बनी वस्तुओं को प्राथमिकता देनी चाहिए। यह विचार इतना प्रभावशाली था कि लाखों भारतीयों ने विदेशी कपड़ों की होली जलाई और खादी को अपनाया। यह आंदोलन केवल आर्थिक नहीं था, बल्कि इसने राष्ट्रीय चेतना को जगाने और लोगों को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आज की वैश्वीकृत दुनिया में स्वदेशी की अवधारणा नए अर्थ और महत्व प्राप्त कर रही है। कनाडा पर ट्रंप की टैरिफ धमकी यह दर्शाती है कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार कितना अनिश्चित और राजनीतिक रूप से प्रभावित हो सकता है। जब कोई देश किसी दूसरे देश पर आर्थिक दबाव बनाना चाहता है, तो व्यापार शुल्क एक प्रमुख हथियार बन जाता है। ऐसी स्थिति में जो देश अपनी घरेलू उत्पादन क्षमता को मजबूत रखते हैं, वे बेहतर तरीके से इन चुनौतियों का सामना कर सकते हैं। यही कारण है कि कनाडा के प्रधानमंत्री ने अपने नागरिकों से देश में बने उत्पादों को खरीदने का आग्रह किया है।

भारत की आत्मनिर्भर भारत पहल इसी दिशा में एक व्यापक और दूरदर्शी कदम है। इस अभियान का उद्देश्य केवल आयात को कम करना नहीं है, बल्कि भारत को विनिर्माण, नवाचार और तकनीकी विकास का एक वैश्विक केंद्र बनाना है। प्रधानमंत्री मोदी ने बार-बार कहा है कि आत्मनिर्भरता का अर्थ आत्मकेंद्रित होना नहीं है, बल्कि यह वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एक विश्वसनीय और मजबूत भागीदार बनना है। जब भारतीय उत्पाद गुणवत्ता और नवाचार में उत्कृष्ट होंगे, तो वे न केवल घरेलू बाजार में सफल होंगे बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी अपनी जगह बनाएंगे। स्वदेशी को अपनाने का अर्थ यह नहीं है कि हम अंतरराष्ट्रीय व्यापार या वैश्वीकरण के खिलाफ हैं। बल्कि यह एक संतुलित दृष्टिकोण है जो घरेलू उद्योगों को मजबूत करते हुए वैश्विक बाजार में भागीदारी को भी बढ़ावा देता है। जब हमारे उद्योग मजबूत होंगे, तो हम बेहतर शर्तों पर अंतरराष्ट्रीय व्यापार में भाग ले सकेंगे। यही कारण है कि भारत मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, और डिजिटल इंडिया जैसी पहलों के माध्यम से घरेलू उत्पादन और नवाचार को बढ़ावा दे रहा है।

स्वदेशी उत्पादों को अपनाने से रोजगार सृजन में भी महत्वपूर्ण योगदान होता है। जब हम स्थानीय उत्पाद खरीदते हैं, तो हम अपने देश के कारीगरों, किसानों, छोटे व्यवसायियों और उद्यमियों की आजीविका का समर्थन करते हैं। भारत जैसे देश में जहां बेरोजगारी एक बड़ी चुनौती है, स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देना लाखों लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा कर सकता है। छोटे और मध्यम उद्योग जो भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, तभी फल-फूल सकते हैं जब उन्हें पर्याप्त घरेलू बाजार मिले।

पर्यावरण की दृष्टि से भी स्वदेशी उत्पादों का महत्व बढ़ जाता है। जब हम स्थानीय स्तर पर उत्पादित वस्तुओं का उपयोग करते हैं, तो परिवहन से होने वाला कार्बन उत्सर्जन कम होता है। साथ ही, स्थानीय उत्पादन अक्सर पारंपरिक और टिकाऊ तरीकों का उपयोग करता है जो पर्यावरण के अनुकूल होते हैं। गांधीजी ने भी कहा था कि पृथ्वी के पास हर व्यक्ति की जरूरत को पूरा करने के लिए पर्याप्त संसाधन हैं, लेकिन किसी के लालच को पूरा करने के लिए नहीं। स्वदेशी की अवधारणा इसी सिद्धांत पर आधारित है। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में जहां व्यापार युद्ध और आर्थिक राष्ट्रवाद बढ़ रहा है, स्वदेशी की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है। कोविड-19 महामारी ने भी हमें सिखाया कि अत्यधिक आयात निर्भरता कितनी खतरनाक हो सकती है। जब वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं टूट गईं, तो कई देशों को आवश्यक वस्तुओं की कमी का सामना करना पड़ा। भारत ने इस संकट से सीख लेते हुए दवाओं, चिकित्सा उपकरणों, और अन्य आवश्यक वस्तुओं के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा दिया है।कभी हम न मास्क बनाते थे। न सेनेंटाइजर, न अन्य उपकरण। करोनाकाल में हमने कोशिश की और आत्म निर्भेर ही नही हुए। देश की बनी करोना वैक्सीन कई देशो को दी।

स्वदेशी को सफल बनाने के लिए केवल सरकारी प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। इसके लिए प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। जब हम खरीदारी करते हैं तो हमें यह देखना चाहिए कि वह उत्पाद कहां बना है और किसके द्वारा बनाया गया है। छोटे निर्णय जैसे स्थानीय बाजार से खरीदारी करना, हस्तशिल्प को बढ़ावा देना, और भारतीय ब्रांड्स को चुनना, सामूहिक रूप से बड़ा प्रभाव डाल सकते हैं। यह केवल आर्थिक निर्णय नहीं है, बल्कि यह हमारी राष्ट्रीय प्रतिबद्धता और जिम्मेदारी का प्रश्न है।

इक्कीसवीं सदी सौ टका बुद्धि केंद्रित

हरिशंकर व्यास

इक्कीसवीं सदी दिमाग की है और प्रमाण पूरी मानवता द्वारा चिप, एआई को मस्तिष्क बनाना है। औद्योगिक क्रांति का बीज भाप से ऊर्जा थी तो नई सहस्राब्दी की मानव क्रांति का बीज वह नया मस्तिष्क है जो डेटा सेंटरों, चिप, रोबो से गुंथता तथा विकसित होता हुआ है। और यह बिना दिल के है। उस नाते मेरा मानना है कि बीसवीं सदी दिल की थी जबकि इक्कीसवीं सदी सौ टका बुद्धि केंद्रित है। और बुद्धि पूरी तरह ठूंठ चिप, एआई निर्माण में केंद्रित है। अभी प्रारंभिक अवस्था है। बावजूद इसके यह दिखने लगा है कि जैसे यूरोपीय पुनर्जागरण से दिल-दिमाग के भभके बने, फिर भाप की औद्योगिक क्रांति के असर में पूंजीवाद बनाम सर्वहारा तथा गणित-गणना-सोच की कोडिंग से डिजिटल क्रांति और इंटरनेट से दुनिया ने भूमंडलीकरण के अनुभव लिए, तो अब बौद्धिक क्रांति मनुष्यता का दिल खो रहा है, लाठी आगे आई है। भला कैसे? सोचें, यूरोप-अमेरिका 14-15वीं सदी के पुनर्जागरण से अब तक सभी क्रांतियों का जनक रहा, वह अब किस मोड़ पर है? गुजरी दास्तां में यूरोपीय देशों व ढाई सौ साल पुराने अमेरिका का साझा रहा। यूरोप से अमेरिका बना तो अमेरिका से यूरोप बचा। पर अब इक्कीसवीं सदी की जनवरी 2026 में क्या दिख रहा है? अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जतला रहे हैं—भाड़ में जाए नाटो, यूक्रेन, यूरोप—वे तो वही करेंगे जो चाहेंगे! अमेरिका निर्विवाद नंबर एक महाशक्ति है। इसका नंबर एक प्रतीक अमेरिका की नई बुद्धिगत (संज्ञानात्मक क्रांति) छलांग है,

जिसके भाप-माफिक एल्गोरिद्म इंजन से वह भारत जैसे देशों की अरबों लोगों की दशा को गिग मनुष्यों जैसी बना रहा है!

ऐसी अकल्पनीय ताकत का स्वामी अमेरिका है मगर उसका व्यवहार, उसके राष्ट्रपति की सोच क्या है? उत्तरी ध्रुव के ग्रीनलैंड से लेकर दक्षिणी ध्रुव में चिली से नीचे तक के पूरे पश्चिमी उत्तरार्ध का स्वामी है अमेरिका। यह केवल ट्रंप की सनक नहीं है। यह उस सत्ता-बोध की अभिव्यक्ति है जो उन्हें चुनाव जिताने वालों, चंदा देने वालों, और उनके शपथ समारोह में उपस्थित उन डिजिटल-संज्ञानात्मक क्रांति की अगुआ कंपनियों के सीईओ, सभी में साझा रूप से मौजूद है कि दुनिया जब पहले ही उनकी मुट्ठी में है, तो भला राष्ट्रपति भवन से 'अमेरिका फर्स्ट' का नगाड़ा क्यों न बजे?

मेरा मानना है दुनिया-मुट्ठी का अमेरिकी अहंकार या चीन, रूस का अहंकार अपने-अपने ठोस आधार लिए हुए है। कोई दो अरब लोगों के इन तीन देशों के आगे पृथ्वी के बाकी छह अरब लोगों का वजूद कुल मिलाकर वैश्विक गिग भीड़ जैसा है। सोचें भारत के 145 करोड़ लोगों पर। यदि राष्ट्रपति ट्रंप अपनी कंपनियों को एक दिन अचानक भारत में गूगल, फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सऐप, यूट्यूब, एक्स बंद करने का आदेश दें तो कैसे तो भारत सरकार, प्रधानमंत्री मोदी का दफ्तर चलेगा और कैसे 145 करोड़ लोगों का दिमाग चलेगा! आज वास्तविकता है कि भारत की भीड़ न तो निर्णय-निर्माता, न नैरेटिव-निर्माता है और न ही इस काम की आवश्यक ज़रूरत में तकनीक-बुद्धि-ज्ञान-विज्ञान की मौलिक रचनाकार है। जैसे चीन यदि सामान सप्लाई बंद करे तो बाज़ार खाली हो जाने हैं तो नैरेटिव-आइडिया के पाइप यदि ट्रंप बंद करवा दें तो मंदिर के चक्कर लगाते कुत्ते की भक्ति के दर्शन भी स्क्रीन से गुल होंगे।

ऐसे ही बाकी देशों, दुनिया की छह अरब आबादी की दशा है। यूरोप भी इसमें शामिल है। जैसे भारत आश्रित है वैसे यूरोप भी अमेरिका और चीन पर निर्भर है। अमेरिका ने दिमाग, नैरेटिव और चीन ने सामान, आवश्यकताओं की वह सप्लाई बनाई है, जिसका ये शायद ही कोई तोड़ निकाल पाएं। अमेरिका की खूबी है कि वह किसी बात में किसी पर निर्भर नहीं है, तो चीन का पच्चीस वर्षों का यह कमाल है, जिसने दुनिया की फैक्टरी व सप्लाई-चेन बनकर लगभग सभी बाज़ारों पर एकाधिकार बना लिया है। उसकी तोड़ केवल अमेरिका के पास है। उसे डोनाल्ड ट्रंप अपने यहां से अगले तीन वर्षों में बेदखल कर देने वाले हैं। इसलिए क्योंकि ट्रंप और उनके अनुदारवादी अमेरिकियों ने तय किया है कि लाठी और बुद्धि जब है तो दुनिया पूरी तरह उनकी मुट्ठी में बंद हो!

तभी इक्कीसवीं सदी का विश्व, दिमाग व लाठी के उस मिक्स की है जो बीसवीं सदी से जुदा है। बीसवीं सदी में दो महायुद्ध हुए, जर्मनी के हिटलर से लेकर तमाम तरह के दक्षिणपंथी नेताओं ने तानाशाही की विभीषिका बनाई, तो कम्युनिस्ट विचारधारा में स्टालिन, माओ, पोल-पोट जैसे नरभक्षियों के हाथों नरसंहार हुए। बावजूद इसके अंततः मानवता ने स्वतंत्रता, उदारता की नई विश्व-व्यवस्था रची। उपनिवेश खत्म हुए। विकास-भूमंडलीकरण से दुनिया के एक गांव में बदलने की अनहोनी हुई।

मतलब बीसवीं सदी की धुरी में मानव, मानवाधिकार, उदारवाद के वैश्विक सरोकार ऐसे सघन थे, जिसकी नेटवर्किंग ने मनुष्यों का जीना न केवल आसान बनाया, बल्कि घुलने-मिलने सहित अवसरों के मार्ग बने। तभी अतिवादी अनुभवों के बावजूद बीसवीं सदी जन-मन के दिली सफ़र की थी। आम धारणा है कि औद्योगिक क्रांति से असमानता, शोषण हुआ। पूंजीवाद मज़दूर-सर्वहारा वर्ग का खून चूसता था। पर वह दौर यदि एडम स्मिथ पैदा करने वाला था तो कार्ल मार्क्स को भी जन्म देने वाला था। पूंजीवाद के साथ जनवाद, कल्याणकारी व्यवस्था भी बनवाने वाला था। दोनों के प्रयोग में जो हुआ सो हुआ पर सौ फूल खिलने की सदी तो बनी थी। पहली बार सभ्यताओं के संघर्ष की थ्योरी के बीच 'इतिहास के अंत' तथा होमो सेपियंस के रूप में मानवता के साझा भविष्य का हिसाब-किताब सोचा और लिखा गया।

उस सब पर इक्कीसवीं सदी में ब्रेक है। गंगा उलटी बहने लगी है। भावना, उदारता, दिल और मन नहीं, बल्कि गणित, मुनाफ़े तथा ठूंठपन का वह दिमागी कोना एक्टिव है, जिससे सभी तरफ लोकतंत्र की लोक-भावना झांसों में बहकी हुई है। मतलब जन खाते में पांच सौ या दो हज़ार, तीन हज़ार रुपए आ गए तो विकास घर पहुंचा और नैरेटिव की अमेरिकी पाइपलाइनों से झूठ की टोटी खुली तो विश्वगुरु बन गए।

मात्र भारत का मामला नहीं है। तुर्की में भी ऐसा है तो फ्रांस, जर्मनी और अमेरिका में भी ऐसा है। डोनाल्ड ट्रंप की उपज उस पोस्ट-ट्रुथ से है, जिसमें अमेरिका का देहाती गोरा भी उसी विषाणु का मारा है जैसे गंगा-जमुना किनारे का ब्राह्मण है या कोईरी-कुर्मी है या दक्षिणी फ्रांस में वाइन बनाने वाला किसान (दक्षिणपंथी नेत्री ले पेन समर्थक) है। भूमंडलीकरण, इस्लाम और चीन—तीन ऐसे फ़िनॉमिना थे या हैं, जिससे बीसवीं सदी का खुला दिमाग अचानक सिकुड़ा। हर कोई इस झूठ में जीने लगा कि हम असुरक्षित हैं। नतीजतन या तो 'अमेरिका फर्स्ट' नहीं होने का स्यापा बना या दिमाग सुरक्षा, पहचान, अस्मिता में भयाकुल हुआ।

सो, खुली दुनिया, खुले दिल पर दिमाग में ताले लगने शुरू हुए। स्वाभाविक जो अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप का ताला और लाठी उभरी। कल की ही बात है। ग्रीनलैंड को खरीदने के ट्रंप के इरादे के खिलाफ ग्रीनलैंडवासियों और डेनमार्क के लोगों ने प्रदर्शन कर जब कहा कि 'यह इलाक़ा बिक्री के लिए नहीं है' तो ट्रंप ने तुरंत लाठी भांजते हुए घोषणा की कि जो यूरोपीय देश ग्रीनलैंड लेने के उनके इरादे में बाधक बनेंगे, उन पर वे नए सिरे से टैरिफ बढ़ाएंगे। मतलब डेनमार्क सहित ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी के सामानों पर एक फ़रवरी से दस प्रतिशत टैरिफ बढ़ेगा। वह एक जून को 25 प्रतिशत हो जाएगा! इसके जवाब में फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने कहा, न तो डराने-धमकाने से और न ही किसी धमकी से हम प्रभावित होंगे—न यूक्रेन के मामले में और न ग्रीनलैंड के। स्वीडन के प्रधानमंत्री का कहना था— हम अपने आप को ब्लैकमेल नहीं होने देंगे। वही ब्रिटेन के प्रधानमंत्री स्टार्मर ने अमेरिकी टैरिफ धमकी को पूरी तरह ग़लत बताया। सोचें, यूरोपीय देशों पर ट्रंप की इस लाठी पर। ग्रीनलैंड का स्वामी डेनमार्क नाटो का सदस्य है, तो ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी आदि वे देश भी हैं, जिन्होंने अमेरिकी धमकी के बाद ग्रीनलैंड में अपने सैनिक उतार ट्रंप को मैसेज दिया। सवाल है एक फ़रवरी से जब यूरोपीय देशों को अमेरिका से व्यापार में दस प्रतिशत का घाटा होगा तो नाटो एलायंस व यूरोप-अमेरिका के रिश्ते किधर जाएंगे?

सबसे अहम तमिलनाडु का चुनाव

अजीत द्विवेदी

इस साल जिन पांच राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं उनमें पश्चिम बंगाल के बाद सबसे अहम तमिलनाडु का चुनाव है। हालांकि पहली नजर में ऐसा लग रहा है कि डीएमके के नेतृत्व वाले सेकुलर प्रोग्रेसिव अलायंस यानी एसपीए की राह आसान है और इस बार फिर सत्ता में उसकी वापसी हो सकती है। तमिलनाडु में काफी समय से पांच साल पर सत्ता बदलने का रिवाज था, जो 2016 में बदला था, जब जयललिता की पार्टी अन्ना डीएमके लगातार दूसरी बार सत्ता में आई थी। 10 साल सत्ता में रहने के बाद अन्ना डीएमके 2021 में हारी। अब जयललिता नहीं हैं और उनकी पार्टी में खूब बिखराव भी हुआ है। उनके बनाए मुख्यमंत्री ओ पनीरसेल्वम पार्टी से अलग हो गए हैं। जयललिता की सबसे करीबी सहयोगी रही वीके शशिकला सक्रिय राजनीति से लगभग दूर हैं और उनके भतीजे टीटीवी दिनाकरण की पार्टी भी एनडीए से अलग हो गई है।

सो, अन्ना डीएमके पहले के मुकाबले कमजोर हुई है। उससे अलग हुए खेमे अपनी अपनी राजनीति कर रहे हैं। अन्य विपक्षी पार्टियों में पीएमके का विभाजन हो गया है। एक खेमे का नेतृत्व पार्टी के संस्थापक रामदॉस कर रहे हैं तो दूसरे का नेतृत्व उनके बेटे अंबुमणि के हाथ में है। जहां तक भाजपा का सवाल है तो उसकी अपनी ताकत इतनी ज्यादा नहीं है कि वह गठबंधन को गाइड कर सके। अभी तक अन्ना डीएमके नेताओं के हिसाब से एनडीए काम कर रहा है। लेकिन अमित शाह पूरा जोर लगा रहा है।

अमित शाह ने तमिलनाडु में अप्रैल 2026 में एनडीए की सरकार बनाने का ऐलान किया है। यह अलग बात है कि एनडीए की सबसे बड़ी पार्टी अन्ना डीएमके ने कहा हुआ है कि जीत हुई तो सरकार अन्ना डीएमके की होगी, उसमें भाजपा को शामिल नहीं किया जाएगा। यानी वह एनडीए की सरकार नहीं होगी। फिर भी एनडीए के लिए और भाजपा के लिए यह संतोष की बात हो सकती है कि एमके स्टालिन और कांग्रेस के गठबंधन को उसने हरा दिया। भाजपा इसको जरूरी इसलिए भी मान रही है क्योंकि उसे स्टालिन के सनातन विरोध का जवाब देना है।

गौरतलब है कि उनके बेटे उदयनिधि ने सनातन को डेंगू जैसी बीमारी बता कर समाप्त करने की बात कही थी। इसके अलावा स्टालिन की पार्टी के साथ भाजपा का एक टकराव भाषा का भी है। हालांकि काशी तमिल संगम का आयोजन लगातार एनडीए की केंद्र सरकार करवा रही है लेकिन तमिलनाडु में डीएमके का गठबंधन सनातन और भाषा दोनों को मुद्दा बनाए हुए है। भाजपा ने तमिलनाडु के सीपी राधाकृष्णन को उप राष्ट्रपति बनवाया है। उनके जरिए भी दूरी को पाटने की कोशिश की जा रही है। अमित शाह तमिलनाडु में पोंगल मना रहे हैं और लगातार सक्रियता दिखा कर भाजपा के लिए ज्यादा सीटों की मोलभाव करेंगे।

उधर सत्तारूढ़ डीएमके ने चुनाव को तमिल अस्मिता की राजनीति से जोड़ दिया है। स्टालिन और उनके बेटे के निशाने पर अन्ना डीएमके नहीं है, बल्कि भाजपा है। उनको पता है कि भाषा, संस्कृति और धर्म को लेकर अन्ना डीएमके की वही राय होगी, जो डीएमके की है। इसलिए उनका हमला भाजपा पर है, जिसे हिंदी और हिंदू धर्म के बहाने एक धुरी बना कर द्रविडियन अस्मिता के वोटों का ध्रुवीकरण कराया जा सकता है। संसद में भी डीएमके सांसद अक्सर हिंदी को लेकर विरोध जताते रहते हैं। भाषा और अस्मिता के मुद्दे के अलावा डीएमके को सरकार में होने का एडवांटेज है। उसने वेलफेयर की कई योजनाएं चुनाव से पहले घोषित कर दी हैं।

पोंगल के बहाने सरकार ने नकद पैसे बांटने से लेकर कई तरह के उपहार बांटने शुरू कर दिए हैं। इसके साथ ही आर्थिक विकास के आंकड़े पेश करके भाजपा शासित राज्यों से तुलना की जा रही है और तमिलनाडु को बेहतर साबित किया जा रहा है। उसके गठबंधन में कांग्रेस जरूर कुछ पेंच डाल रही है।

महिलाओं को सबसे ज्यादा क्यों होता है सर्वाइकल कैंसर का खतरा?

कैंसर एक बहुत ही खतरनाक बीमारी है। यह कई प्रकार के होते हैं। इन्हीं में से एक है सर्वाइकल कैंसर। यह महिलाओं में होने वाले सबसे गंभीर कैंसरों में से एक है। ब्रेस्ट कैंसर के बाद भारत में इस बीमारी से सबसे ज्यादा महिलाएं पीड़ित है। यह महिलाओं की मौत का एक प्रमुख कारण माना जाता है। इस गंभीर बीमारी के प्रति जागरूकता फैलाने के मकसद से हर साल जनवरी के महीने को सर्वाइकल कैंसर अवेयरनेस मंथ के तौर पर मनाया जाता है। सर्वाइकल कैंसर गर्भाशय ग्रीवा में होता है। इसे गर्भाशय के मुंह का भी कैंसर कहा जाता है। महिलाओं में गर्भाशय और योनि को जोड़ने वाले हिस्से को सर्विक्स कहते हैं। इस वजह से इसमें होने वाले कैंसर को सर्वाइकल कैंसर कहा जाता है। यह कैंसर एचपीवी यानी कि ह्युमन पैपिल्लोमा वायरस के कारण होता है । एचपीवी शरीर में अंदर प्रवेश करके यूटरस के अंदरूनी हिस्से को नुकसान पहुंचता है और धीरे-धीरे कैंसर का रूप ले लेता है। दरअसल इसके लक्षण काफी आम होते हैं जिसकी वजह से अक्सर महिलाएं से नजरअंदाज कर देती हैं। एक्सपर्ट के मुताबिक 30 की उम्र की महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर खतरा ज्यादा रहता है। सर्वाइकल कैंसर होने के पीछे कई कारण जिम्मेदार होते हैं, जिसमें से है एक से अधिक साथी के साथ संबंध बनाना, खराब हाइजीन, बर्थ कंट्रोल पिल्स का इस्तेमाल करना, स्मोकिंग और परिवार का इतिहास इस कैंसर के लिए जिम्मेदार हो सकते हैं।

सर्वाइकल कैंसर के बारे में ऐसे चलता है पता

सर्वाइकल कैंसर के लक्षण वैसे दिखाई नहीं देते हैं,लेकिन फिर भी आपको शक है तो इसलिए इसकी स्क्रीनिंग टेस्ट होती है। पैप स्मीयर टेस्ट सबसे महत्वपूर्ण टेस्ट होता है। इसमें गर्भाशय ग्रीवा के ऊतकों का नमूना लिया जाता है। अगर इसमें असामान्य कोशिकाएं मिलती हैं तो एचपीवी टेस्ट की जाती है।इन जांचों से सर्वाइकल कैंसर का पता लगता है। इसके बाद इलाज शुरू किया जाता है।

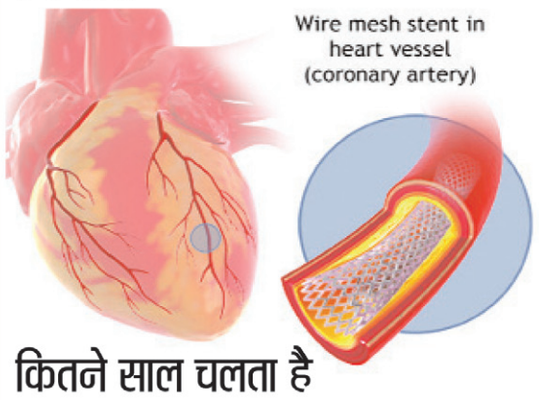

कितने साल चलता है हार्ट का कोरोनरी स्टेंट

कोरोनरी स्टेंट एक तकनीकी उपाय है जिसका उपयोग धमनियों (कोरोनरी आर्टरीज) को खोलने के लिए किया जाता है ताकि रक्त स्वतंत्रता से हृदय में पहुंच सके। इसका उपयोग हृदय संबंधित समस्याओं, जैसे कि दिल का दौरा, कोरोनरी आर्टरी रोग, या अन्य धमनीक बीमारियों के इलाज में किया जाता है। कोरोनरी स्टेंट जिस तकनीकी साधन का उपयोग किया जाता है, वह साधन धातु से बना होता है और धातु की दरबारी विशेषता और रक्त की प्रवाह की गति के आधार पर इसकी जीवनकाल की अधिकतम विशेषता को निर्धारित करती है। कई प्रकार के स्टेंट्स उपलब्ध हैं, जिनमें शास्त्रीय (बेयर-मेटलिक) और ड्रग-एलूटिंग स्टेंट्स शामिल हैं। शास्त्रीय स्टेंट्स का जीवनकाल आमतौर पर कुछ साल से लेकर कई दशक तक हो सकता है, जबकि ड्रग-एलूटिंग स्टेंट्स में शास्त्रीय स्टेंट्स के मुकाबले ड्रगों का उपयोग किया जाता है जो आराम से विघटित होते हैं और उनका प्रभाव अधिक समय तक बना रहता है। यह निर्भर करता है कि रोगी का स्वास्थ्य, सामान्य शारीरिक स्थिति, और स्थानांतरण का उपयोग किस तकनीकी साधन पर किया गया है। आपके चिकित्सक से यह सवाल करना हमेशा उचित होता है।

अजवाइन है सबसे सस्ता फैट बर्नर

अगर आप वजन कम करना चाहते हैं या कब्ज की समस्या से परेशान हैं, तो आपके लिए अजवाइन का सेवन फायदेमंद है। इसमें कई ऐसे गुण होते हैं, जो आपकी कई शारीरिक समस्याओं का समाधान कर सकते हैं। क्या आप काफी समय से वजन कम करने की कोशिश में लगे हुए हैं और नहीं कर पा रहे हैं या पेट की समस्या से परेशान है, तो ऐसी कई समस्याओं का उपाय, आपके किचन में रखा यह एक मसाला कर सकता है। हम बात कर हैं अजवाइन की, यह एक सबसे सस्ता और फायदेमंद मसाला होने के साथ एक अच्छा फैट बर्नर भी है।

अजवाइन का इस्तेमाल भारतीय रसोई में काफी सालों से किया जा रहा है। इसके सेवन से आप आसानी से वजन कर सकते हैं । यह कई स्वास्थ्य संबंधित फायदे भी देती है, जैसे कि पेट दर्द, गैस और पेट के कई रोगों को भी यह दूर करने में मदद करती है। जिन लोगों को गठिया है, उसके उपचार में भी यह काफी लाभदायक साबित हो सकता है। इसका उपयोग हर्बल औषधि में किया जाता है।

वेट लॉस में मदद करता है

अजवाइन में थाइमोल नामक एक तत्व होता है, जो आपके मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करता है। जब आपका मेटाबॉलिज्म बूस्ट होता है, तो नया फैट बन नहीं पता है और पुराना फैट आसानी से बर्न होता है, तो अजवाइन का सेवन इस तरह से वजन कम करने में मदद कर सकता है।

दिल के स्वास्थ्य के लिए अच्छा है

अजवाइन में फाइबर, विटामिन ए और अन्य तरह के पोषण पाए जाते हैं, जो दिल के स्वास्थ्य को सुधार सकती हैं। इस पर हुए शोध में पता चला है कि इसमें एंटीऑक्सीडेंट की भरपूर मात्रा पाई जाती है, जो शरीर में कोलेस्ट्रॉल से लड़ने में काफी सहायक होती है।

दर्द निवारक है

पेट के दर्द में अजवाइन काफी काम आती है, क्योंकि इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो दर्द को कम करने में मदद करते हैं।दर्द के अलावा यह सूजन को भी कर सकती है। अजवाइन में थाइमोल नामक तत्व होता है, जो एंटी-इन्फ्लेमेटरी और एंटी-ऑक्सीडेंट गुणों के लिए जाना जाता है।

ब्लड प्रेशर कंट्रोल

इसमें मौजूद पोटैशियम और एंटीऑक्सीडेंट्स की मात्रा ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में मदद कर सकता है। हाई पोटैशियम डाइट से उच्च ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

पाचन स्वास्थ्य के लिए

अजवाइन पाचन को सुधारने में मदद कर सकता है। अगर आपको गैस, एसिडिटी, और कब्ज की समस्या बनी रहती है, तो आपको इसका रोजाना सेवन जरूरी करना चाहिए।

ठंड में हार्ट के मरीज बरतें ये सावधानियां

ठंड के मौसम में हमारे शरीर में कई तरह के बदलाव आने लगते हैं। सर्दी के कारण जहां सर्दी और खांसी की समस्या बढ़ जाती है। वहीं इस मौसम में दिल की बीमारी को खतरा भी काफी बढ़ जाता है। दरअसल सर्द हवाओं के चलते रक्त वाहिकाएं संकुचित हो जाती है जिसके कारण ब्लड का फ्लो सही से नहीं हो पता है। इससे ब्लड प्रेशर बढ़ता है। दिल पर दबाव पड़ता है और हार्ट अटैक का कारण बनता है। वहीं इस मौसम में हमारी लाइफस्टाइल भी काफी ज्यादा बदल जाती है। इसके कारण भी हार्ट अटैक का खतरा बना रहता है। अगर आप हार्ट के पेशेंट हैं और खुद को सर्दियों में सुरक्षित रखना चाहते हैं तो आप इन बातों को जरूर ध्यान में रखें।

सर्दियों में हार्ट के मरीज ऐसे बरतें सावधानियां

- सर्दियों के मौसम में आप अनहेल्दी फूड खाने से बचें। अगर आप ठंड के दिनों में ज्यादा तला भुना या फाइड चीज खाते हैं,तो यह आपके हार्ट को नुकसान पहुंचा सकता है। ब्लड फ्लो वैसे ही कम हो जाता है और ऑयली चीज खाने से ब्लड वेसल में फैट जमा हो जाएगा तो ब्लड फ्लो पूरी तरह से बाधित हो सकता है। यह हार्ट हेल्थ के मरीजों को बुरी तरह से नुकसान पहुंचता है।
- हार्ट के मरीजों को एक्सरसाइज रेगुलर बेसिस पर करना जरूरी होता है। सर्दियों में लोग अक्सर ज्यादा खाते हैं और कंफर्टेबल फूड खाने के आदी हो जाते हैं। ऐसे में वजन बढ़ने का रिस्क बढ़ जाता है और इससे हार्ट पर ज्यादा दबाव पड़ने लगता है। इससे बचने का बेहतर उपाय यह है कि आप बहुत ज्यादा एक्सरसाइज नहीं भी कर पाए तो हल्की-फुल्की एक्सरसाइज हर रोज करें। इससे आप एक्टिव रहेंगे और हार्ट भी ठीक से फंक्शन करेगा।
- सर्दियों के मौसम में अक्सर धूप की कमी के चलते मेंटल हेल्थ खराब हो जाता है। अक्सर लोग डिप्रेशन और स्ट्रेस के शिकार हो जाते हैं। ऐसे में आप कोशिश करें कि तनाव कम लें, स्ट्रेस मैनेज करें। क्योंकि स्ट्रेस की वजह से बीपी बढ़ सकता है और यह हार्ट अटैक का कारण बन सकता है।
- हार्ट को हेल्दी रखने के लिए ब्लड प्रेशर को कंट्रोल रखना जरूरी होता है। ऐसे में सर्दियों में जितना कम हो सके उतना नमक का सेवन करें, शरीर में नमक पानी को रोकता है और हार्ट को इस लिक्विड को पंप करने में ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। इससे हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है।
- अक्सर लोग सर्दियों में धूम्रपान ज्यादा करते हैं। इससे भी हार्ट अटैक की आशंका ज्यादा होती है। इससे धमनियों में प्लाक जमा होता है और अच्छे कोलेस्ट्रॉल का स्तर भी घटता है। कोशिश करें कि धूम्रपान ना करें

सर्दी में सेहत ना पड़ जाए ठंडी

सर्दियों का मौसम उत्तर भारत में दस्तक दे चुका है। कहते हैं कि सर्दी का मौसम सेहत के नजरिए से बेहतर होता है। ऐसे में हम आपको बता रहे हैं इस मौसम में आपकी डाइट कैसी होनी चाहिए ताकि आप भी सर्दी में अपनी सेहत बेहतर बना सकें और सर्दियों को एंजॉय कर सकें।

आमतौर पर हम गर्मियों में कम खाना खाते हैं तो उसकी तुलना में सर्दियों में भूख में भी इजाफा होता है। सर्दियों में शरीर से मेहनत भी कम होती है। खासकर इस मौसम में सभी को अपनी हेल्थ का ख्याल रखना काफी जरूरी है। यहां हम आपको बता रहे हैं कि सर्दियों के मौसम में किस प्रकार से अपना ख्याल रखा जाता है और किन-किन सावधानियों को ध्यान में रखा जाता है। अपनी डाइट का इस तरह रखें खास ख्याल सर्दियों के मौसम में खानपान का खास ख्याल रखना काफी ज्यादा जरूरी हो जाता है। क्योंकि इस मौसम में शरीर में कई प्रकार की बीमारियां भी लगने का खतरा बना रहता है। इस बारे में डॉक्टर बताते हैं कि सर्दियां आते ही सिट्रस या विटामिन सी युक्त पदार्थों के सेवन पर ध्यान दें। इसके लिए संतरा, नींबू, आंवला आदि में से कोई एक दिन में जरूर खाएं। इससे इम्युनिटी बढ़ाने में मदद मिलेगी और सर्दी खांसी आदि से भी बचाव होगा। विटामिन डी के सेवन का भी ध्यान रखें व धूप में भी वक्त बिताएं। इसके अलावा भोजन में हल्दी, अदरक व लहसून की मात्रा जोड़ें। इसके लिए व्यंजनों में पिसा अदरक जोड़ा जा सकता है और सलाद में ऊपर से कद्दूकस करके भी डाला जा सकता है।

वजन कम करने में मदद करते हैं ये फूड

वहीं एक्सपर्ट का कहना है कि अगर आप साबुत अनाज, दलिया आदि का सेवन करते हैं तो ये वजन कम करने में भी असरदार हैं और दिल के लिए भी फायदेमंद साबित होते हैं। इस मौसम में सब्जियों और फलों का भरपूर सेवन करना चाहिए। इस मौसम में फाइड और सैचुरेटेड फूड्स का उपयोग नहीं करना चाहिए।

खाने के आधे घंटे बाद पीएं पानी

वैसे तो गर्मियों की तुलना में सर्दियों में कम पानी पिया जाता है, लेकिन इस मौसम में आवश्यक मात्रा में पानी पीना चाहिए। याद रखें कि पानी खाना खाने के तुरंत बाद ना लेकर आधे घंटे के अंतराल पर पीएं। वहीं, अगर आप इस मौसम में हर्बल-टी पीते हैं, तो इससे एलडीएल कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड का लेवल भी डाउन होता है।

एक्सरसाइज करना है जरूरी

अगर आप अपनी बॉडी फिट रखना चाहते हैं, तो इसके लिए सर्दियों से अच्छा मौसम और कोई नहीं हो सकता है। इस दौरान आप अपने वजन को कंट्रोल करें। बॉडी को फिट रखने के लिए रेगुलर एक्सरसाइज कीजिए। अगर आप जिम में जाकर एक्सरसाइज नहीं कर पा रहे हैं तो रोजाना वॉक पर जाएं। चलने से शरीर में गर्मी पैदा होती है और इससे खून का दौरा बढ़ता है। सर्दियों के मौसम में ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रोल को कंट्रोल करना चाहिए। इस मौसम में नमक का कम मात्रा में सेवन करना चाहिए क्योंकि अधिक नमक का सेवन करने से दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

नींद लें पूरी, गर्म चीजों का करें सेवन

सर्दियों के मौसम में ठंड से बचाव के लिए खुद को गर्म कपड़ों से कवर रखना चाहिए। इस दौरान पैर, सिर और कानों को खासतौर से ढककर रखना चाहिए। सर्दियों में कम से कम 6 से 8 घंटे की नींद लेनी चाहिए। ठंड के मौसम में शरीर को ठंड से बचाने के लिए जैसे गर्म कपड़ों का इस्तेमाल किया जाता है, ठीक इसी प्रकार से गर्म चीजों का सेवन भी किया जाता है। इस दौरान स्किन सूखने लग जाती और फटने भी लगती है तो इसके लिए ऑयल या बॉडी लोशन का उपयोग कर सकते हैं।

फेफड़ों की बीमारी के लिए चुकंदर का रस फायदेमंद!

एक शोध से यह बात सामने आई है कि 12 सप्ताह तक चुकंदर का रस लेने से क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) से पीड़ित लोगों में सुधार हुआ है। सीओपीडी एक गंभीर फेफड़ों की स्थिति है जो दुनिया भर में लगभग 400 मिलियन लोगों को प्रभावित करती है, जिसमें क्रोनिक ब्रोंकाइटिस और वातस्फीति (एम्फाइजिमा) शामिल है, जिससे सांस लेने में कठिनाई होती है और लोगों की शारीरिक गतिविधि की क्षमता गंभीर रूप से सीमित हो जाती है। इससे दिल के दौरे और स्ट्रोक का खतरा भी बढ़ जाता है। रोपियन रेस्पिरेटरी जर्नल में प्रकाशित नए शोध में एक केंद्रित चुकंदर के रस के पूरक का परीक्षण किया गया, जिसमें चुकंदर के रस के मुकाबले नाइट्रेट की मात्रा अधिक होती है, जो दिखने और स्वाद में समान था। लेकिन, नाइट्रेट हटा दिया गया था।

इंपीरियल कॉलेज लंदन यूके के प्रोफेसर निकोलस हॉपकिंसन ने कहा, कुछ सबूत हैं कि नाइट्रेट के स्रोत के रूप में चुकंदर के रस का उपयोग एथलीटों द्वारा अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए किया जा सकता है और साथ ही रक्तचाप को देखते हुए कुछ अल्पकालिक अध्ययन भी किए गए हैं। हॉपकिंसन ने कहा, रक्त में नाइट्रेट का उच्च स्तर नाइट्रिक ऑक्साइड की उपलब्धता को बढ़ा सकता है, एक रसायन जो रक्त वाहिकाओं को आराम देने में मदद करता है। यह मांसपेशियों की कार्यक्षमता को भी बढ़ाता है यानी समान कार्य करने के लिए उन्हें कम ऑक्सीजन की आवश्यकता होती है। अध्ययन में सीओपीडी वाले 81 लोगों को शामिल किया गया और जिनका सिस्टोलिक रक्तचाप 130 मिलीमीटर पारा (एमएमएचजी) से अधिक था। मरीजों के रक्तचाप की निगरानी करने के साथ-साथ, शोधकर्ताओं ने परीक्षण किया कि अध्ययन की शुरुआत और अंत में मरीज छह मिनट में कितनी दूर तक चल सकते हैं। प्रतिभागियों को 12 महीने के कोर्स में नाइट्रेट से भरपूर चुकंदर का रस दिया गया और कई रोगियों को बिना नाइट्रेट वाला चुकंदर का रस दिया गया।

शोधकर्ताओं ने पाया कि नाइट्रेट युक्त पूरक लेने वालों ने नाइट्रेट लेने वालों की तुलना में सिस्टोलिक रक्तचाप में 4.5 मिमी/एचजी की औसत कमी का अनुभव किया। नाइट्रेट से भरपूर चुकंदर का जूस पीने वाले मरीज छह मिनट में कितनी दूर तक चल सकते हैं, इसमें भी औसतन लगभग 30 मीटर की वृद्धि हुई। प्रोफेसर हॉपकिंसन ने कहा, अध्ययन के अंत में हमने पाया कि नाइट्रेट युक्त चुकंदर का जूस पीने वाले लोगों का रक्तचाप कम था और उनकी रक्त वाहिकाएं कम कठोर हो गईं। जूस से यह बात भी सामने आई कि सीओपीडी वाले लोग छह मिनट में कितनी दूर तक चल सकते हैं। यह इस क्षेत्र में अब तक के सबसे लंबी अवधि के अध्ययनों में से एक है। परिणाम बहुत आशाजनक हैं, लेकिन इसके लिए दीर्घकालिक अध्ययनों की आवश्यकता होगी।

स्वीडन में कारोलिंस्का इंस्टिट्यूट के प्रोफेसर अपोस्टोलोस बोसियोस ने कहा, सीओपीडी को ठीक नहीं किया जा सकता है, इसलिए मरीजों को इस स्थिति के साथ बेहतर जीवन जीने और उनके हृदय रोग के खतरे को कम करने में मदद करने की सख्त जरूरत है। हालांकि, बोसियोस ने निष्कर्षों की पुष्टि के लिए लंबी अवधि तक रोगियों का अध्ययन करने की आवश्यकता पर बल दिया।

संक्षिप्त समाचार

शुक्ला हेल्थकेयर बिर्रा में सी आर्म मशीन का शुभारंभ

बिर्रा// समय दर्शन// -स्व सीमा शुक्ला मेमोरियल हास्पिटल बिर्रा में जहां पूर्व में वेल्टीनेटर, आक्सीजन युक्त एम्बुलेंस,एक्स-रे आदि की सुविधा मुहैया हो रही थी अब इस ओर एक और सी आर्म मशीन (हड्डियों संबंधित)गहन जांच और ईलाज की विशेष सुविधा मिलना शुरू हो गया है ।जिसका विधिवत शुभारंभ गगन जयपुरिया जी उपाध्यक्ष जिला पंचायत द्वारा पूजा अर्चना व फीता काट कर किया गया ।इस अवसर पर उन्होंने शुक्ला हेल्थकेयर बिर्रा के संचालक डॉ ईश्वर प्रसाद शुक्ला व डॉ शुभम शुक्ला सहित शुक्ला परिवार को अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज जहां लोग पढ़ लिखकर अपना काम शहरों में करना चाहते हैं वहीं डॉ शुभम शुक्ला ने गांव में रहकर चिकित्सीय क्षेत्र ही जन सेवा को चुना है ।इस अवसर पर पं गीता प्रसाद तिवारी, देवप्रसाद तिवारी,राहूल बाबा,मनोज कुमार तिवारी, सरपंच प्रतिनिधि एकादशिया साहू,मणीलाल कश्यप,निलाम्बर सिंह दाऊ, राम खिलावन तिवारी, तोषण तिवारी,तोषण तिवारी, मिडिया से जितेन्द्र तिवारी,उपाध्यक्ष जीवन साहू, सरिता भारती विसु साहू. साकेत शुक्ला, डॉ प्रियंका शुक्ला, डॉ आकृति शुक्ला,फित्तराम साहू, राजकुमार पटेल, कृष्णा कश्यप, अवधेश कश्यप,पंचराम कश्यप,हेमंत देवांगन,सम्मेलाल यादव, ज्ञानचंद राधेश्याम,कमला प्रसाद, डॉ जयप्रकाश देवांगन, डॉ महेंद्र, रामकुमार साहू सहित शुक्ला हेल्थकेयर बिर्रा के स्टाप उपस्थित थे।

आरटीओ चेकपोस्ट खम्हारपाली में हेलमेट वितरण एवं मोटरसाइकिल रैली का हुआ आयोजन

सरायपाली नृपनिधी पाण्डेय (समय दर्शन) - सड़क हादसों को रोकने एवं यातायात नियमों से लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से 1 जनवरी से 31 जनवरी 2026 तक सड़क सुरक्षा माह 2026 पूरे भारत और छत्तीसगढ़ में मनाया जा रहा है । इसी तारतम्य में आरटीओ चेकपोस्ट खम्हारपाली जिला महासमुंद में जनजागरूकता कार्यक्रम, हेलमेट वितरण और बाइक रैली का आयोजन किया गया ।कार्यक्रम में सड़क दुर्घटनाओं के कारण, उससे होने वाले नुकसान, दुर्घटनाओं से बचने के उपायों के बारे में विस्तृत जानकारी चैकपोस्ट प्रभारी विष्णु ठाकुर के द्वारा दी गई ।तेज गति से वाहन नहीं चलाने, नशे की हालत में वाहन नहीं चलाने ,हेलमेट लगाने,यातायात चिन्हों संकेतों का पालन करने ,सुरक्षित तरीके से वाहन चलाने की अपील लोगो से की गई ।चेकपोस्ट से गुजरने वाले बिना हेलमेट मोटरसाइकिल चालकों को हेलमेट लगाने की समझाईस देकर हेलमेट का वितरण किया गया ।हेलमेट लगाकर चलने वाले चालकों को गुलाब का फूल देकर सम्मानित किया गया। लगभग 50 हेलमेट का वितरण किया गया हेलमेट वितरण के बाद यातायात जागरूकता हेतु मोटरसाइकिल रैली चेकपोस्ट से छिंदपाली और पैकिन होते हुए वापस खम्हारपाली तक निकाली गई। रैली में लगभग 50 मोटर साइकिल सवार शामिल हुए ।रैली में ग्राम खम्हारपाली भोथलडीह के गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि गण सरपंच उपसरपंच, मंडल अध्यक्ष के साथ आर टी ओ चेकपोस्ट के अधिकारी कर्मचारी निरीक्षक संतोष हरिपाल, उपनिरीक्षक हेमंत जायसवाल,फिरोज कुरैशी, रवि देवांगन,कृष्णा बर्मन,संजय ठाकुर और समस्त स्टाफ उपस्थित थे ।कार्यक्रम में उपस्थित सभी ने यातायात नियमों का पालन करने और सुरक्षित चलने का संकल्प लिया ।कार्यकम के हेलमेट वितरण कार्यक्रम और मोटर साइकिल रैली को सफल बनाने में सरायपाली से मोटरसाइकिल डीलर- भवानी ऑटो, स्वीटी ऑटो, बंसल ऑटो, पुखराज ऑटो, शुभम के मार्ट, मोटर व्यवसायी प्रवीण रुंगटा एवं ग्रामवासियो को विशेष सहयोग रहा ।

कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने वास्तविक किसानों की समस्या को त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए

सभी जोनल अधिकारियों को धान खरीदी केन्द्र में जाने के निर्देश

सारंगढ़ बस स्टैंड के पास कचरा फेंकने वाले, अवैध कब्जा, पार्किंग करने के विरूद्ध कार्यवाही करने एसडीएम और नगरपालिका को निर्देश

सहसपानी रात्रिकालीन जनचौपाल में मोबाइल टॉवर और सड़क की मांग को पूरा करने विभागीय अधिकारियों को निर्देश

सारंगढ़ बिलाईगढ़,(समय दर्शन) कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने समय सीमा की बैठक में मंगलवार की शाम को लोक शिकायत पोर्टल, मुख्यमंत्री जनदर्शन, कलेक्टर जनदर्शन सहित अन्य माध्यमों से प्राप्त आवेदनों के निराकरण की स्थिति का अधिकारियों से पूछकर उनका त्वरित समाधान करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने धान खरीदी के कार्यों को प्राथमिकता क्रम में आगामी दिन में करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी जोनल अधिकारी सौंपे गए धान खरीदी केन्द्र में जाएं और वास्तविक किसानों से मिलकर उनकी कोई समस्या है तो उसका पता लगाकर उसका निराकरण करें। राज्य शासन की मंशा अनुरूप किसी भी वास्तविक किसान को अपने खरीफ सीजन के धान को बेचने में कोई समस्या नहीं आनी चाहिए। उनके टोकन, रकबा समर्पण, धान के भौतिक सत्यापन में कहीं कोई भ्रम की स्थिति है तो वरिष्ठ अधिकारियों से मार्गदर्शन लेकर किसानों की समस्या का निराकरण करें। वहीं बिचौलियों, अवैध भंडारण करने वाले कोचियों पर सख्ती की जाए। पिछले गर्मी मौसम रबी फसल के धान और नमी धान को रिजेक्ट करने, तथा बदरा या कंकडयुक्त धान को साफ करके लाने के निर्देश दिए। मार्कफेड अधिकारी ने चावल जमा की जानकारी कलेक्टर को दी।

कलेक्टर ने कहा कि बस स्टैंड में अवैध रूप से पार्किंग स्थल बनाने वाले बस के वाहन चालक और कंडक्टर को नियत समय से आधा घंटा पूर्व ही बस स्टैंड में प्रवेश की एंट्री करने की अनुमति दी जाए। साथ ही बस स्टैंड परिसर में अवैध रूप से नवीन यात्री प्रतीक्षालय को कब्जा किए हुए लोगों को हटाएं ताकि यात्री वहां बैठ सके। वहीं कचरा फेंकने वाले से जुर्माना वसूली करें। मुख्य मार्ग में अवैध पार्किंग करने वाले को हटाने के लिए पुलिस बल की तैनाती करें। उन्होंने सारंगढ़ जिला मुख्यालय में पेयजल पाईप के लिए बार-बार गढढा करने पर नाराजगी जाहिर की। साथ ही साथ बस स्टैंड के शौचालय और परिसर की सफाई और स्वच्छ वातावरण तैयार करने शौचालय संचालक को नगरपालिका की ओर से नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

सहसपानी रात्रिकालीन जनचौपाल में ग्रामीणों की मांग 'मोबाइल टॉवर' स्थापना के बारे में डॉ कन्नौजे को बीएसएनएल अधिकारी ने जानकारी दी कि केन्द्र सरकार को प्रस्ताव भेज गया है, जो अभी वर्क आर्डर प्रक्रिया लंबित है। कलेक्टर ने पत्राचार कर कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। वहीं सड़क की मांग पर प्रधानमंत्री ग्राम सड़क के एसडीओ को कलेक्टर ने निर्देश दिए कि वहां जाकर स्थिति का जायजा लेकर सड़क बनाने के प्रस्ताव भेजें।

कलेक्टर ने पीएम आवास, वीबी जीरामजी, मध्य क्षेत्र विकास प्राधिकरण, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के कार्यों के संबंध में जिले के अधिकारियों को वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार कार्य करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने पीएम सूर्य घर योजना के हितग्राहियों के चयन के लिए विभागवार दिए लक्ष्य अनुरूप हितग्राहियों की संख्या के बारे में विभागीय अधिकारियों से जानकारी ली। विभागवार संतोषप्रद प्रगति नहीं मिलने पर अधिकारियों को नोटिस दिए। डॉ कन्नौजे ने बच्चों के आधार कार्ड बनाने, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी के जल आवर्धन के कार्य को 11 फरवरी तक पूरा करने के निर्देश दिए।

सर्व कल्याण के लिए अवतरित होते हैं भगवान- पं किशोर शर्मा जी

(बिर्रा तिवारी परिवार में आयोजित भागवत कथा में श्री कृष्ण जन्मोत्सव व विवाहोत्सव की कथा)

परमगोपनीय कृष्ण लीला जिसमें पुतना रूपी अदृश्य शक्ति का संहार कर संसार में एक नई शुरुआत किया। श्री कृष्ण जन्मोत्सव नंदोउत्सव नंद घर आनंद भयो.....भजन का संगीत के माध्यम से बड़े ही हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया।

बिर्रा// समय दर्शन// -स्व पं रेवती रमण तिवारी स्मृति में वार्षिक श्राद्ध निमित्त आयोजित संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के पंचम दिवस कथावाचक आचार्य पं किशोर शर्मा ने भगवान श्री राम व कृष्ण जन्मोत्सव की कथा सुनाते हुए कहा कि भगवान का जन्म यूं ही नहीं होता बल्कि सर्व कल्याण की कामना हेतु अवतरित होते हैं। जहां श्री राम मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान कहलाएं वहीं श्री कृष्ण ने अपनी लीला से अपने भक्तों को इस घोर कलिकाल में भगवत भक्ति का संदेश दिया और धर्म की रक्षार्थ वहीं भगवान श्री कृष्ण रूक्मणी मंगल विवाहोत्सव का विस्तार से वर्णन किया गया। जहां घराती बराती बनकर परिवार के लोगों और उपस्थित श्रद्धालुओं ने विवाह महोत्सव में शामिल हुए। मिठाइयां बांटी गई ।इस अवसर पर मुख्य यजमान श्रीमती शोभा-विजय तिवारी, संतोष कुमार तिवारी,गीता प्रसाद तिवारी, मनोज कुमार तिवारी, योगेश कुमार उपाध्याय, सुखनंदन पांडेय, सूरज गौरहा,गिरिश गौरहा,दिवाकर शर्मा, कंत तिवारी, परमेश्वर तिवारी, शारदा तिवारी, जितेन्द्र दुबे, निलांबर सिंह, अभिराम कश्यप, भागवत नामदेव, जवाहर लाल नामदेव, पंचराम कश्यप, लखनलाल देवांगन, राजकुमार मिडिया से जीवन साहू.थवाईत,दिनेश कुमार चंद्रा, अजय कुमार तिवारी सहित बड़ी संख्या में महिला श्रद्धालु शामिल हुए।

घिवरा में मची रही सीताराम राधेश्याम की धूम

(यज्ञ हवन पूर्णाहुति के साथ राम नाम सप्ताह महायज्ञ का समापन - 65 से ज्यादा संख्या में पहुंची किर्तन मंडलियां)

बिर्रा// समय दर्शन// -जय मां डोकरी दाई की पावनधरा ग्राम पंचायत घिवरा में यज्ञ समिति एवं समस्त ग्रामवासियों द्वारा आयोजित राम नाम सप्ताह महायज्ञ में सात दिनों तक सीताराम सीताराम राधेश्याम राधेश्याम की धूम मची रही। बड़ी संख्या में बड़ी दूर दूर से किर्तन मंडलियों और श्रद्धालुओं का आगमन होता रहा ।जिनके द्वारा आकर्षक और भव्य पंडाल से सजा हुआ राम दरबार में सीताराम सीताराम राधेश्याम राधेश्याम का गायन वादन करते हुए परिक्रमा कर करते रहे। ग्राम घिवरा साक्षात मिनी अयोध्या धाम लग रहा था। आचार्य पं रमेश शुक्ला सहित सप्त विप्र बंधुओं द्वारा विधिवत राम नाम का जप (पाठ) कर रहे हैं ।सभी आगंतुक किर्तन मंडलियों और श्रद्धालुओं के लिए भोजन की व्यवस्था समीति द्वारा की गई है ।दूर दराज से आए हुए किर्तन मंडलियों को सम्मान स्वरूप प्रशस्ति पत्र एवं नगद राशि से सम्मानित किया गया ।इस बीच बिर्रा से प्रभातफेरी दल राम नाम सप्ताह महायज्ञ में शामिल हुए और किर्तन भजन किया। उन्हें भी समीति द्वारा सम्मानित किया गया। आठवें दिन यज्ञ हवन पूर्णाहुति सहस्त्रधारा ब्राह्मण भोज सामूहिक भंडारे के साथ अखंड राम नाम सप्ताह महायज्ञ का समापन हुआ। आयोजन को लेकर सरपंच विनय कुमार कश्यप, रामचंद्र तिवारी,रवि तिवारी,शुभम तिवारी,किर्तनलाल कश्यप, अरूण कुमार कश्यप,डाकेश्वर श्रीवास, संजय कुमार, भूपेंद्र कश्यप, कृष्णा कश्यप,द्वासराम कश्यप ,मिडिया से संजू साहू उपाध्यक्ष जीवन साहू विसु. बृजलाल साहू,राधे कश्यप,दरसराम, मनोज कुमार, रमेश कुमार सहित ग्रामवासी श्रद्धालु जन जुटे रहे। समापन दिवस ग्राम के होनहार प्रतीभा वान छात्र-छात्रा दसवीं एवं 12 वीं पिछले सत्र 2024/ 25 70त्न अंक से ऊपर प्राप्त करने वाले बच्चों को मार्गदर्शक सुखदेव प्रसाद तिवारी प्राचार्य लालबहादुर शास्त्री हाई स्कूल बम्हनीडीह के द्वारा सम्मान पत्र एवं मेडल से सम्मानित किया जाना है ।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन: डबरी बनी रामकुमार की आय का स्त्रोत

मत्स्य पालन व खेती से अर्जित कर रहे 60 हजार रूपए से अधिक की आय

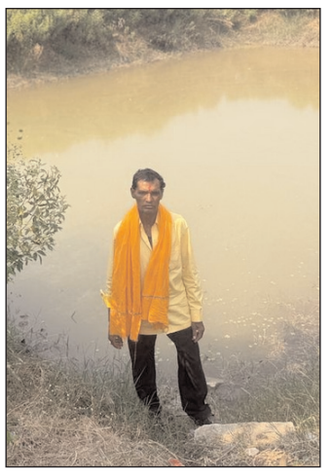

मुंगेली(समय दर्शन)ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका सशक्तिकरण का सशक्त माध्यम बन रही है। इसी कड़ी में ग्राम रामगढ़ के किसान रामकुमार की निजी भूमि में मनरेगा अंतर्गत डबरी निर्माण कर स्थायी सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई गई है। डबरी निर्माण के बाद हितग्राही रामकुमार द्वारा मत्स्य पालन किया जा रहा है, जिससे उन्हें प्रतिवर्ष लगभग 30 से 35 हजार रुपये की अतिरिक्त आय प्राप्त हो रही है। साथ ही डबरी की मेड़ पर अरहर की फसल लेकर लगभग 20 हजार रुपये की आय अर्जित की जा रही है। इससे हितग्राही को अतिरिक्त आय का स्त्रोत मिल गया है।

डबरी निर्माण से पूर्व सिंचाई संसाधनों की कमी के कारण फसल उत्पादन में कठिनाइयाँ होती थीं, किंतु अब यह डबरी हितग्राही के लिए एक स्थायी जलस्त्रोत बन गई है, जिससे कृषि के साथ-साथ मत्स्य पालन जैसी गतिविधियाँ संभव हो सकी हैं। आयुक्त मनरेगा, रायपुर श्री तारन प्रकाश सिन्हा ने भी ग्राम रामगढ़ पहुंचकर रामकुमार की डबरी का निरीक्षण किया तथा हितग्राही से संवाद कर डबरी निर्माण से हुए आजीविका एवं आय वृद्धि की जानकारी ली। उन्होंने डबरी को ग्रामीण आय संवर्धन का प्रभावी साधन बताया। इस दौरान कलेक्टर कुन्दन कुमार ने कहा कि मनरेगा के माध्यम से जल संरचनाओं का विकास ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करता है। डबरी जैसे कार्य किसानों को सिंचाई, मत्स्य पालन और पशुपालन जैसे बहुआयामी लाभ उपलब्ध कराते हैं। वहीं सीईओ, जिला पंचायत प्रभाकर पाण्डेय ने कहा कि डबरी निर्माण से न केवल स्थायी संपत्तियों का निर्माण होता है, बल्कि ग्रामीणों को बड़े पैमाने पर रोजगार भी मिलता है। ग्राम पंचायतों को निर्देश दिए गए हैं कि पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का अधिकतम लाभ पहुंचे।

शहरी स्थानीय निकाय की बैठक आयोजित,राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन के तहत स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने पर हुआ मंथन

मुंगेली(समय दर्शन) राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में शहरी स्थानीय निकाय की बैठक संपन्न हुई। बैठक में बताया गया कि राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन का मुख्य उद्देश्य शहरी क्षेत्रों विशेषकर झुग्गी-बस्तियों में निवासरत गरीब एवं कमजोर वर्ग के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। साथ ही स्वास्थ्य पर होने वाले खर्च को कम करने तथा स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़ाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल है। बैठक के माध्यम से शहरी स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाने तथा जरूरतमंद नागरिकों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने पर जोर दिया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शीला साहा एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. गिरिश कुर्रे द्वारा मिशन के अंतर्गत नागरिकों को मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष रोहित शुक्ला ने शहर में 04 शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर के लिए भवन उपलब्ध कराए जाने हेतु सहमति प्रदान की। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद मुंगेली के उपाध्यक्ष श्री जयप्रकाश मिश्रा, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. एम.के. राय, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. कमलेश कुमार, कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. मनीष बंजारा, पार्षदगण, स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं मितानिनें उपस्थित रहीं।

हेलीकॉप्टर छोड़ मड़ई मेला पहुंचे सांसद-जनता और परंपरा को दी प्राथमिकता, दिल्ली की फ्लाइट से पहले शांति नगर मड़ई : संतोष पाण्डेय

राजनांदगांव। पटरी पार क्षेत्र स्थित चिखली स्कूल मैदान में आज एक ऐतिहासिक और यादगार दृश्य देखने को मिला। 20 वर्षों से निरंतर आयोजित हो रहे शांति नगर मड़ई मेला के साथ इस बार हॉकी प्रतियोगिता का अनोखा समागम हुआ, जिसने पूरे क्षेत्र में उत्साह और आनंद का माहौल बना दिया। मड़ई की पारंपरिक रौनक और हॉकी के रोमांचक मुकाबलों ने दर्शकों को एक साथ संस्कृति और खेल का अद्भुत अनुभव प्रदान किया। इस अभिनव आयोजन से क्षेत्र के नागरिकों सहित बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त की। शांति नगर मड़ई मेला एक दिवसीय हॉकी प्रतियोगिता में जिले की 20 टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता लीग-कम-नॉकआउट पद्धति से खेली गई। इस आयोजन का सफल संचालन रुद्राक्षम् वेलफेयर सोसाइटी एवं शांति नगर मेला समिति के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला चिखली ड्रैगन्स बनाम शांति नगर सूरमा के मध्य खेला गया, जिसमें शांति नगर सूरमा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 3-2 से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया।

समापन अवसर पर मुख्यातिथि सांसद संतोष पाण्डेय, कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पर्यटन मंडल के अध्यक्ष नीलू शर्मा, विशिष्ट अतिथि पूर्व महापौर हेमा सुदेश देशमुख, वरिष्ट पार्षद शिव वर्मा, सुनील साहू, समाजसेवी सुमीत भाटिया एवं ललित नायडू ने विजेता एवं उपविजेता टीम को आकर्षक पुरस्कार एवं विशालकाय ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सांसद कप क्रिकेट प्रतियोगिता के विजेता खिलाडियों को भी पुरुस्कृत किया गयास

संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महामुनिराज के द्वितीय समाधि स्मृति महोत्सव कार्यक्रम में देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। इस गरिमामयी आयोजन में राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र के सांसद संतोष पाण्डेय भी सम्मिलित हुए। कार्यक्रम में उनके साथ मंच पर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की भी विशेष उपस्थिति रही।

कार्यक्रम के समापन के पश्चात सांसद संतोष पाण्डेय को रात्रि 8.45 बजे की दिल्ली फ्लाइट पकड़ने हेतु रायपुर रवाना होना था। इसी दौरान केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आत्मीयता पूर्वक सांसद को हेलीकॉप्टर से रायपुर तक साथ चलने का प्रस्ताव दिया।

इस सम्मानजनक प्रस्ताव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सांसद संतोष पाण्डेय ने विनम्रतापूर्वक कहा कि उन्हें पहले राजनांदगांव में आयोजित शांति नगर मड़ई मेला एवं हॉकी प्रतियोगिता के कार्यक्रम में शामिल होना है, तत्पश्चात वे दिल्ली के लिए रवाना होंगे।

सांसद के इस निर्णय को क्षेत्र में व्यापक रूप से सराहा जा रहा है। लोगों का कहना है कि यह केवल यात्रा संबंधी निर्णय नहीं था, बल्कि अपनी मिट्टी, संस्कृति, लोक परंपरा और जनभावनाओं को प्राथमिकता देने का प्रेरणादायी संदेश है।

शांति नगर मड़ई मेला और हॉकी प्रतियोगिता क्षेत्र की पहचान बन चुकी है, जहाँ संस्कृति और खेल भावना का अनूठा संगम देखने को मिलता है। सांसद संतोष पाण्डेय का यह कदम इस बात का प्रमाण है कि वे जनता से जुड़े आयोजनों, परंपराओं और खेल के मंच को भी उतना ही महत्व देते हैं जितना बड़े औपचारिक मंचों को।

शांति नगर मड़ई मेला इस वर्ष अपनी नई व्यवस्था, बेहतर प्रबंधन और अनोखी शुरुआत के कारण पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया। मड़ई मेले की बदली हुई व्यवस्था को देखकर क्षेत्र के नागरिकों के साथ-साथ मड़ई में उपस्थित दुकानदारों ने भी हर्ष और संतोष व्यक्त किया।

आमतौर पर मड़ई मेला शाम 4-5 बजे के आसपास प्रारम्भ होता है, किंतु शांति नगर मड़ई ने इस परंपरा को एक नया स्वरूप देते हुए सुबह 5.30 बजे से प्रारंभ होकर रात्रि 9 बजे तक सफलतापूर्वक संचालित होकर एक मिसाल कायम की। इस मड़ई की सबसे विशेष बात यह रही कि सुबह 5.30 बजे मेले की शुरुआत एक दिवसीय हॉकी प्रतियोगिता से हुई। खेल और संस्कृति के इस अनोखे संगम ने मेले को और भी आकर्षक बना दिया। हॉकी मैच को देखने के लिए सुबह से ही चिखली स्कूल मैदान में दर्शकों का जुटना शुरू हो गया। लगातार दर्शकों की उपस्थिति और खेल के प्रति उमंग ने यह सिद्ध कर दिया कि शांति नगर मड़ई केवल मेला नहीं, बल्कि खेल और जनभागीदारी का ऐतिहासिक उत्सव बन गया है।

खबर-खास

नगर पालिका अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश चंद्रवंशी ने किया ध्वजारोहण

कवर्धा (समय दर्शन)। गणतंत्र दिवस के अवसर पर नगर पालिका परिषद कार्यालय भवन में नगर पालिका अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश चंद्रवंशी व भारतमाता प्रतिमा सौंदर्यीकरण स्थल में आहिरवार समाज से जीवन लाल आहिरवार ने ध्वजारोहण किया। नगर पालिका परिषद कार्यालय भवन में नगर पालिका अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश चंद्रवंशी व भारतमाता प्रतिमा सौंदर्यीकरण स्थल में जीवन लाल अहिरवार, डॉ. भीमराव अंबडेकर उद्यान में श्रीमती मनीषा साहू पार्षद वार्ड क्रमांक 20, रानी झांसी बालोद्यान में नगर पालिका उपाध्यक्ष पवन जायसवाल, शारदा संगीत महाविघालय में श्रीमती चित्ररेखा कुंभकार पार्षद वार्ड क्रमांक 15 एवं जय स्तंभ गांधी मैदान में डोनेश राजपूत पार्षद वार्ड क्रमांक 6 ने ध्वजारोहण किया। इसके साथ ही जय स्तंभ चौक में नव निर्मित शहीदों की प्रतिमा पर नगर पालिका परिवार ने माल्यार्पण कर शहीदों को नमन किया । इस अवसर पर नगर पालिका के समस्त पार्षदगण, अधिकारी, कर्मचारी, स्वच्छता दीदी व वरिष्ठ नागरिक अधिक संख्या में उपस्थित थे।

आगामी राजिम मेला को ध्यान में रखते हुए थाना क्षेत्र में निवासरत निगरानी/गुण्डा बदमाशों की चेकिंग कर क्लास ली गई

गरियाबंद। गरियाबंद पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर के दिशा निर्देश एवं मार्गदर्शन में आगामी राज़िम मेला के शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित आयोजन को दृष्टिगत रखते हुए थाना क्षेत्र में कानून-व्यवस्था सुदृढ़ करने हेतु विशेष कार्यवाही की गई। इस क्रम में थाना क्षेत्र के गुंडा एवं निगरानी बदमाशों को थाना तलब कर सख्त समझाइश दी गई। तलब किए गए गुण्डा एवं निगरानी बदमाशों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया कि मेला अवधि के दौरान यदि किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि, शिकायत अथवा कानून व्यवस्था भंग करने का प्रयास किया गया, तो उनके विरुद्ध कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।इस दौरान कुल 11 गुंडा बदमाशों एवं 9 निगरानी बदमाशों को थाना बुलाकर उनकी गतिविधियों की जांच-पड़ताल की गई एवं आवश्यक हिदायतें दी गईं।पुलिस प्रशासन द्वारा राज़िम मेला के दौरान शांति, सुरक्षा एवं सुव्यवस्था बनाए रखने हेतु सतत निगरानी एवं प्रभावी कार्यवाही की जा रही है।

शिक्षा विभाग एवं फर्म एंड संस्थाए की कथित मिली भगत से संचालित हो रहा है वीआरटी स्कूल

संस्था के संस्थापक सदस्य ने लगाया आरोप

दुर्ग। शिक्षा विभाग एवं सहायक रजिस्टार फर्म एवं संस्थाएं की आंखों में धूल झोककर वाणी एज्यूकेशन एण्ड सोशल वेलफेयर सोसायटरी द्वारा नर्सरी से हाई स्कुल तक नया पारा दुर्ग में वी आर टी नाम का स्कुल संचालित की जा रही है। यह आरोप पुलिस अधीक्षक को एक पत्र प्रेषित कर संस्था के एक संस्थापक सदस्य नैनदास साहू ने लगाया है।

उन्होंने इस संबंध में जिला पुलिस अधीक्षक को सौपे पत्र में बताया है कि उक्ता संस्था द्वारा फर्म एवं संस्थाएं एवं शिक्षा विभाग को सौपें गये कई दस्तावेज जिसमें शपथ पत्र भी कथित तौर पर शामिल है बिना गवाह कराये नोटरी की सत्य प्रतिलिपि की काफी शिक्षा विभाग में जमा कराया गया

है। इतना ही नहीं शिक्षा विभाग में' स्कुल के सबंध में गलत भी जानकारियां संस्था के अध्यक्ष एवं सचिव द्वारा प्रस्तुत किया गया है।इन दस्तावेजो में कथित तौर पर कुटरचित एवं फर्जी हस्ताक्षर का इस्तमाल किया गया है इइन कारगुजारियो को शिक्षा विभाग एवं सहायक रजिस्टार फर्म एवं संस्थाएं को पत्र प्रेषित कर अवगत कराया गया है किन्तु उक्त दोनों विभाग द्वारा संस्था के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं की गई। संस्था में एक नाबालिक को सदस्यता दी गई वहीं मृतव्यक्ति भी संस्था की अब तक सदस्य बनी हुई है।

फर्जी एवं कुटरचित दस्तावेजों का निर्माण कर धोखाधड़ी कर स्कुल संचालित करने वाले सदस्यों के विरुद्ध शिकायत संस्था के ही एक संथापक सदस्य ने की है!

शिकायत पत्र में कहा गया है कि वी

आर टी स्कुल के पास न्यापारा दुर्ग में वाणी एजुकेशन एण्ड सोशल वेलफेयर सोसायटी संचालित किया जा रहा है। जिसका पंजीयन कमांक 22308 दिनांक 19.12.2011 है। उक्त संस्था में अध्यक्ष श्रीमती रितु देवांगन सचिव, जामवंत देवांगन , वाणी देवांगन उपाध्यक्ष, लिकेश देवांगन कोषाध्यक्ष, भुनेश्वरी देवांगन सहसचिव तथा अन्य सदस्य है। उक्त संस्था वाणी एजुकेशन एण्ड सोशल वेल्फ्यर सोसायटी दुर्ग के विरुद्ध शिकायत कर्ता नैन दास साहूने बताया है कि प्रारंभसे अर्थात वर्ष 2011 से ही वे आजीवन सदस्य रहा है।शिकायत कर्ता ने जिला पुलिस अधिकक्ष को प्रेषित पत्र में कहा है कि उक्त संस्था के विभिन्न बैठक रजिस्टर एवं प्रस्ताव पंजी में अनावेदकगण के द्वारा मेरे नाम से फर्जी हस्ताक्षर किया गया है।आशंका होने पर इस सम्बन्ध में कार्यालय सहायक रजिस्टार फर्म्स एवं संस्थाएँ दुर्ग संभाग दुर्ग मेंमेरे द्वारा सूचना के अधिकार के अन्तर्गतवाणी एज्यूकेशन एंड सोशल वेलफेयर सोसायटी दुर्ग में प्रस्तुत दस्तावेजों से मुझे जानकारी मिली है अनावेदकगण जामवंत देवांगन रितु देवांगन पुष्पा सिंह ईश्वन्त खिलेश्वरी मोनिका कु वाणी लिकेश कुमार गुलेश्वरी सुकृति ठाकुर कल्याणी देवांगन के द्वारा विभिन्न वर्षों के फार्मिंग पार्ट ऑफ फार्म-7, क्लास-6 (लिस्ट ऑफ इलेक्टेड मैनेजमेंट कमिटी मेम्बर्स) के निम्नलिखित दस्तावेजों में मेरे नाम के आगे कॉलम में मेरे नाम से फर्जी हस्ताक्षर कर कुटरचित दस्तावेज का निर्माण कर उक्त शासकीय कार्यालय में प्रस्तुत किया गया है,द्य इसे शिकायत कर्ता नैन दास साहू ने एक गंभीर अपराध बताया है, जिसकी जांच कर दोषी व्यक्तियों के विरूध दण्डात्मक कार्यवाही करने पुलिस में शिकायत किया है। सूची के अनुसार संस्था के एक सदस्य नाबालिग है, एक सदस्य कि मौत हो चुकि है फिर में सूची में अबतक नाम है।

जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में गुरुकुल की अप्रतिम प्रस्तुति ऑपरेशन सिंदूर की धूम

विद्यालय परिसर में वृद्धाश्रम के प्रबुद्धजन के लिए मध्याह्न भोजन की व्यवस्था

कवर्धा (समय दर्शन)। नगर की प्रतिष्ठित संस्था गुरुकुल पब्लिक स्कूल कवर्धा में 77वाँ गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास पूर्वक नयनाभिराम प्रस्तुति के साथ मनाया गया। संचालन समिति के अध्यक्ष संतोष बोथरा, निदेशक सूचित बोथरा विशिष्ट अतिथि के रूप में रामचंद्र राजपूत, अंकुश विश्वकर्मा, दीपक सिंह ठाकुर, रवि सिंहा तथा संतोष कोचर सहित समस्त पदाधिकारी गण, प्राचार्य समस्त शिक्षक शिक्षिकाएँ एवं छात्र-छात्राएं एवं अधिकांश संख्या में पालक गण उपस्थित थे।

मीडिया प्रभारी हिंदी पीजीटी डॉ. विजय कुमार शाही ने बताया कि विशिष्ट अतिथियों ने राष्ट्रध्वज फहराया। विद्यालय प्रांगण राष्ट्रगान से गुंजित होता रहा। इसके बाद माँ सरस्वती के तैल चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित करने के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। विद्यालय के नन्हे बच्चों ने विविध सांस्कृतिक प्रस्तुति देकर दर्शक दीर्घा को मंत्रमुक्त कर दिया। छात्राओं ने मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति देकर सभी दर्शकों की वाहवाही लूटी। कक्षा आठवीं के छात्र मिकेश सोनी, कक्षा नौवीं के छात्र आदित्य हंस राजपूत ने हिंदी में अपने विचार को व्यक्त किया। शिक्षक नेत्रानंद विश्वकर्मा ने मधुर कविता प्रस्तुत की।

गणतंत्र दिवस पर जिला स्तरीय सांस्कृतिक समारोह में शाला के विद्यार्थियों ने ऑपरेशन सिंदूर की बेहतरीन प्रस्तुति देकर शाला को गौरवान्वित किया। संतोष बोथरा अध्यक्ष, शाला संचालन समिति ने गणतंत्र की गरिमा एवं महिमा के साथ अपने उच्च विचारों से प्रेरणादायक उद्बोधन देकर सभी को प्रेरित किया। प्राचार्य मनोज कुमार राय ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि गणतंत्र की रक्षा के लिए हम सभी को तन मन से सदैव तत्पर रहना चाहिए। इस अवसर पर विद्यालय में कार्यरत 26 शिक्षक शिक्षकों को उनकी विशिष्ट सेवा के लिए पुरस्कृत व सम्मानित किया गया। प्रभारी शिक्षक ऋषभ जायसवाल ने सभी का आभार व्यक्त किया। विद्यालय ने अपने सामाजिक सरोकारों को ध्यान में रखते हुए गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर विद्यालय की तरफ से वृद्धाश्रम, कवर्धा के प्रबुद्धजन को विनम्रता के साथ मध्याह्न भोजन की व्यवस्था की। संस्था के समस्त पदाधिकारीगण एवं प्राचार्य ने गणतंत्र दिवस पर शाला परिवार को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाइयां दीं।

जिले में 77 वां गणतंत्र दिवस समारोह में मंत्री लखनलाल ने किया ध्वजारोहण

मुख्यमंत्री का संदेश वाचन के बाद स्कूली बच्चों ने दी मनमोहक प्रस्तुति

कवर्धा (समय दर्शन)। जिला मुख्यालय कवर्धा स्थित आचार्य पंथ श्री गृंध मुनि नाम साहेब शासकीय स्नात्कोत्तर महाविद्यालय (पी.जी. कॉलेज) मैदान में 77 वां गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। उद्योग व जिले के प्रभारी मंत्री लखनलाल देवांगन ने तिरंगा फहराया और रंगबिरंगे गुब्बारे आसमान में छोड़े। उन्होंने परेड की सलामी ली तथा जनता के नाम मुख्यमंत्री संदेश का वाचन किया। इस अवसर पर वंदे मातरम रचना के 150 वर्ष पूर्ण होने पर राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् का सामूहिक गायन किया गया और कबीरधाम जिले के शहीद जवान नरेन्द्र शर्मा के भतीजा ललित शर्मा, शहीद आरक्षक चंद्रसिंह मेरावी की पुत्री कुमारी संगीता मेरावी को शॉल, श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया।

समारोह स्थल पर जिले के शासकीय एवं निजी शैक्षणिक संस्थानों के स्कूली बच्चों ने देश भक्ति, लोक कलाओं, लोक गीतों और लोक परंपराओं पर मनमोहक प्रस्तुति देकर दर्शकों का मोह लिया। दर्शकों ने खूब तालियां बजाई। विभिन्न विभागों द्वारा विकास पर आधारित झांकिया निकाली गई तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को मुख्य अतिथि द्वारा प्रशिस्त पत्र दिया गया। इस अवसर पर सशस्त्र प्लाटून जिला पुलिस बल, नगर सेना सहित 11 परेड दलों ने परेड कमांडर पुष्पेन्द्र सिंह और सेकेण्ड कमाण्डर त्रिलोक प्रधान के नेतृत्व में प्लाटूनों ने आकर्षक मार्चपास्ट कर मुख्य अतिथि को सलामी दी। मंच संचालन अवधेश श्रीवास्तव एवं श्रीमती मीरा देवांगन द्वारा किया गया।

उद्योग व जिले के प्रभारी मंत्री श्री देवांगन ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के संदेश में कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू किया है। पिछले महीने जिले में मेडिकल कॉलेज भवन निर्माण शुरू किया है। पहले यहां रायपुर में ही मेडिकल कॉलेज था, अब प्रदेश में 15 मेडिकल कॉलेज स्वीकृत हो चुके हैं। हमारी सरकार ने बिलासपुर में मल्टी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के माध्यम से स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ किया है। इसके साथ ही कोनी में शासकीय फिजियोथेरेपी कॉलेज के लिए भूमि का चिन्हांकन भी कर लिया गया है। हमने एमबीबीएस की पढ़ाई हिंदी में कराने की व्यवस्था आरंभ की है। आईआईटी की तर्ज पर हम राज्य के जशपुर, बस्तर, कबीरधाम, रायपुर और रायगढ़ में प्रौद्योगिकी संस्थाओं का निर्माण करने जा रहे हैं। नवा रायपुर को हम एडुसिटी के रूप में विकसित कर रहे हैं। हम निफ्ट, नाइलिट और फॉरेंसिक यूनिवर्सिटी जैसे संस्थान यहां आरंभ कर रहे हैं। युवाओं को पढ़ने-लिखने की बेहतर जगह मिल पाए, इसके लिए हम रायपुर नालंबा परिसर के तर्ज पर 34 नगरीय निकायों में अत्याधुनिक लाईब्रेरी बना रहे है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, जिला पंचायत सभापति रामकुमार भट्ट विशेष रूप से उपस्थित थे।

कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय बोड़ला को प्रथम पुरस्कार- गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह में जिले के 6 अलग-अलग शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थियों द्वारा देश भक्ति, कला, संस्कृति और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रंगारंग प्रस्तुति दी गई, जिसमें पहला स्थान कस्तुरबा गांधी आवासीय विद्यालय बोड़ला, दूसरा अनुसूचित जाति एवं जनजाति प्री मैट्रिक छात्रावास कवर्धा और तीसरा स्थान गुरुकुल पब्लिक स्कूल कवर्धा रहा। समारोह की शुरूआत में सरस्वती शिशु मंदिर कवर्धा, होली क्रॉस स्कूल और दिशा पब्लिक स्कूल कवर्धा के विद्यार्थियों द्वारा एरोबिक की प्रस्तुति दी।

श्री रामलला दर्शन योजना के तहत गरियाबंद से 94 श्रद्धालुओं का दल रवाना

जनप्रतिनिधियों ने दो श्रद्धालु बस को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

गरियाबंद (समय दर्शन)। राज्य शासन द्वारा लोगों को अयोध्या धाम एवं काशी विश्वनाथ दर्शन कराने के लिए श्री रामलला दर्शन अयोध्या धाम योजना संचालित की जा रही है।इसके अंतर्गत दर्शनार्थियों को अयोध्या धाम में श्री रामलला का नि:शुल्क दर्शन कराया जा रहा है।साथ ही काशी विश्वनाथ का भी भ्रमण कराया जा रहा है।शासन द्वारा प्रत्येक जिलों से चयन कर सभी श्रद्धालुओं को ट्रेन के माध्यम से उन्हें रामलला के दर्शन के लिए ले जाया जा रहा है।

इसी क्रम में आज नगरपालिका अध्यक्ष रिखिराम यादव,वरिष्ठ नागरिक अनिल चन्द्राकर,सुरेन्द्र सोनटेके,समाज कल्याण विभाग के उप संचालक डी.पी ठाकुर सहित ने गरियाबंद जिले से भी दर्शनार्थियों से युक्त 2 बसों को हरी झंडी दिखाकर कलेक्ट्रेट परिसर से श्रीरामलला दर्शन अयोध्या धाम के लिए रवाना किया।जिले के कुल 94 दर्शनार्थी आज रवाना हुए।इस दौरान अतिथियों ने सभी यात्रियों को शुभकामनाएं देते हुए सुखद एवं मंगलमय यात्रा की कामना की। 94 श्रद्धालुओं में उनके देख-देख के लिए 4 अनुरक्षक भी शामिल है। चयनित तीर्थ यात्रियों को बस से रायपुर के लिए रवाना किया गया।रायपुर रेलवे स्टेशन से स्पेशल ट्रेन द्वारा श्री रामलला दर्शन अयोध्या धाम की यात्रा के लिए ले जाया जाएगा। यात्रा पश्चात तीर्थयात्रियों की जिला वापसी होगी।

गरियाबंद जिले से अयोध्या जा रहे श्रद्धालुओं ने राज्य शासन और जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अयोध्या धाम जाकर प्रभु श्रीराम जी के दर्शन का अवसर मिलेगा, जिससे वे अत्यंत आनंदित हैं।श्रद्धालुओं की अयोध्या जाने की इच्छा पूरी करने वाली इस योजना के लिए जिले के श्रद्धालु ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार जताया।नि:शुल्क यात्रा के साथ खाने, पीने और रहने की भी व्यवस्था की गई है।इससे श्रद्धालुओं पर कोई आर्थिक बोझ भी नही बढ़ेगा।उल्लेखनीय है कि श्री रामलला दर्शन योजना के तहत् श्रद्धालुओं को पूरा पैकेज मिलेगा।जिसमें छत्तीसगढ़ से अयोध्या जाने,वहां रहने की व्यवस्था,मंदिर दर्शन, नाश्ते और खाने की भी व्यवस्था रहेगी।इस ट्रेन में टूर एक्सपर्ट,सुरक्षा कर्मी और चिकित्सकों का दल भी मौजूद रहेंगे।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रिसाली
रिसाली सेक्टर बी.एस.पी. स्कूल नं.-35, पिन-490006
website:-risali.urbanecg.gov.in

क्रं./लो.क.वि./2026/2211 रिसाली, दिनांक 27.01.26

// ई-निविदा निरस्त सूचना //

नगर पालिक निगम रिसाली कार्यालय हेतु वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्लेसमेंट श्रमिक प्रदाय कार्य हेतु दिनांक 19.01.2026 को ई-निविदा सिस्टम क्रं. 184068 आमंत्रित किया गया है। उपरोक्त कार्य हेतु निविदा नियम-शर्तो में त्रुटि होने के कारण ई-निविदा सिस्टम क्र.184068 को निरस्त किया जाता है।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम,
रिसाली

छुरा के लक्ष्मीनारायण हॉस्पिटल में फिर आदिवासी महिला व नवजात की मौत

गरियाबंद (समय दर्शन)। निजी अस्पतालों के लापरवाही के चलते एक बार फिर नवजात बच्चे के साथ जच्चा की मौत हो गई जिससे मृतक के परिजनों सहित पूरे छुरा में रोष की स्थिति निर्मित हो गई है,वही इस घटना की जांच कर जिले भर में चल रहे निजी अस्पतालों की निष्पक्ष जांच करने की मांग पुन:उठ रहा है।ज्ञात हो कि जिले में कई ऐसे निजी क्लिनिक और बड़े बड़े अस्पताल संचालित है जहां कई बार बड़ी बड़ी घटना घटित हुई है और लोगो की अपनी जान गवानी पड़ी है,लेकिन उन निजी अस्पतालों का जांच घटना के समय होता है और कुछ दिन बाद पुन: वे अस्पताल चलने लगता है,और फिर घटना घटने लगती है।

कुछ ऐसा ही मामला - छुरा स्थित निजी अस्पताल श्री लक्ष्मी नारायण हॉस्पिटल एक बार फिर आया है,जहा प्रसव के दौरान एक आदिवासी महिला और उसके नवजात शिशु की मौत के बाद क्षेत्र में आक्रोश फैल गया है।परिजनों और आदिवासी समाज ने अस्पताल प्रबंधन पर घोर लापरवाही का आरोप लगाते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। ज्ञात हो कि गरियाबंद जिले में स्वास्थ्य सेवाओं का असली चेहरा एक बार फिर बेनकाब हो गया है। छुरा विकासखंड स्थित लक्ष्मी नारायण हॉस्पिटल में हाई-रिस्क गर्भवती महिला का ऐसा प्रसव कराया गया,जो अंतत: मां और नवजात—दोनों के लिए मौत का फंदा बन गया।बिना विशेषज्ञ डॉक्टर, बिना ब्लड बैंक और बिना नवजात ड्डष्ट जैसी बुनियादी सुविधाओं के प्रसव कराना न सिर्फ घोर लापरवाही है, बल्कि प्रशासनिक आदेशों की खुली अवहेलना भी है। इस दर्दनाक घटना ने पूरे जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था को कटघरे में खड़ा कर दिया है और यह सवाल छोड़ गई है कि क्या गरीब आदिवासी की जान की कोई कीमत नहीं ?

मृतका की पहचान प्रेमिन ध्रुव, पति रामचंद्र ध्रुव, निवासी रामपुर मदनपुर, विकासखंड गरियाबंद के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार महिला की गर्भावस्था पहले से ही हाई-रिस्क श्रेणी में थी और इसकी जानकारी अस्पताल प्रबंधन को दी गई थी। इसके बावजूद अस्पताल ने प्रसव कराने का फैसला लिया।

सुविधाएं नदारद,फिर भी हाई-रिस्क प्रसव जिस अस्पताल में यह प्रसव कराया गया,,,,,,वहां 24 घंटे स्त्री एवं प्रसूति विशेषज्ञ उपलब्ध नहीं थे। बाल रोग विशेषज्ञ, नियमित एनेस्थीसिया डॉक्टर, नवजात आईसीयू और ब्लड बैंक जैसी बुनियादी सुविधाएं भी नहीं थीं। सवाल यह है कि ऐसी परिस्थितियों में हाई-रिस्क प्रसव कराने की अनुमति किसने दी ?

आदेशों की अनदेखी,समय पर रेफर नहीं- जिला प्रशासन और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा स्पष्ट निर्देश हैं कि निजी अस्पताल केवल आवश्यक सुविधाएं होने पर ही हाई-रिस्क प्रसव करें। इसके बावजूद आदेशों की अनदेखी की गई। प्रसव के दौरान हालत बिगड़ने पर महिला को समय रहते रेफर भी नहीं किया गया, जिससे स्थिति बेकाबू हो गई और मां-बच्चे की मौत हो गई।

सबूत मिटाने के आरोप,,,,,,मामले ने तब और गंभीर रूप ले लिया जब आरोप लगे कि अस्पताल प्रबंधन ने परिजनों से लेन-देन कर उन्हें गायब किया और बिना पोस्टमार्टम अंतिम संस्कार कराने की कोशिश की।यदि यह सच है,तो यह केवल चिकित्सा लापरवाही नहीं बल्कि कानून से खुला खिलवाड़ है।

पहले भी सील हो चुका है अस्पताल,,,,,,,लक्ष्मी नारायण हॉस्पिटल पहले भी विवादों में रहा है और एक मामले में सील किया जा चुका है। इसके बावजूद ऐसी घटना का दोहराया जाना प्रशासनिक ढिलाई को दर्शाता है।

ग्रामीणों में आक्रोश, कार्रवाई की मांग- घटना के बाद ग्रामीणों और आदिवासी समाज में भारी आक्रोश है। मांग है कि निष्पक्ष जांच हो, दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए और पीड़ित परिवार को न्याय व मुआवजा मिले।

सवाल अब यही है कि स्वास्थ्य सेवा कब तक सेवा नहीं, बल्कि सौद बनी रहेगी ?

//न्यायालय तहसीलदार पिपरिया तहसील पिपरिया जिला-कबीरधाम

ई-कोर्ट प्रकरण क्रमांक../ब-121/वर्ष 2025-26
ग्राम इंदौरी
क्रमांक/09/वाचक/ना.तह./2026, पिपरिया दिनांक 01.01.2026

//ईश्तहार//

एतद द्वारा सर्व साधारण को समस्त ग्रामवासीगण इंदौरी सूचित किया जाता है कि आवेदक कमल निर्मलकर पिता पतिराम निर्मलकर निवास का पता ग्राम इंदौरी तहसील पिपरिया जिला कबीरधाम छत्तीसगढ़ है जो कि ग्राम इंदौरी खसरा नंबर 725/7,894,895,897 कुल रकबा 0.1950 हेक्टेयर भूमि जो कि ऑनलाईन राजस्व अभिलेख में रामकवल पिता पतिराम प्रदर्शित हो रहा है जो कि गलत है आवेदक का नाम कमल पिता पतिराम दर्ज किये जाने का आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: उपर्युक्तानुसार वर्णित पर जिस किसी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा-आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षकर्ता न्यायालय में प्रकरण की सुनवाई तिथि 06.02.26 तक स्वत: अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्रस्तुत दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
जारी दिनांक 01.01.2026

तहसीलदार
न्यायालय तहसील पिपरिया
जिला कबीरधाम, छ.ग.
मुहर

//न्यायालय नजूल जांच अधिकारी, जिला-राजनांदगांव (छ.ग.)//

रा.मा.क्र./ 202601093700036/अ-6/ वर्ष 2025-26

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका पार्वती साहू ध.प. स्व. नरेश कुमार साहू एवं अन्य, निवासी दुर्गा चौक, लखोली स्थित शीट क्रमांक 78 ए, भूखण्ड क्रमांक 32/2, क्षेत्रफल 131.00 वर्गमीटर जो धारकगण बेनकुमार, नरेशकुमार, प्रेम, किशन, दीपक कुमार, श्रीमती हेमलता, श्रीमती मीना, लक्ष्मीसाहू आ.स्व. गंगाराम साहू, निवासी लखोली राजनांदगांव के नाम पर नजूल अभिलेख में दर्ज है। उक्त आवेदित भूखण्ड के सहधारक नरेशकुमार आ. स्व. गंगाराम साहू की मृत्यु होने से उनका नाम विलोपित कर उनके स्थान पर वारिसानों का नाम दर्ज किये जाने हेतु इस न्यायालय में आवेदन पेश किया गया है।

अत: उक्त भूमि/ मकान/ संपत्ति के नामांतरण के संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था जो इस भूखण्ड पर हित रखते है, पेशी तारीख 09.02.2026 को स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति पेश कर सकते है। बाद में प्रस्तुत आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं होगी।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 22.01.2026 मेरे हस्ताक्षर एवं पद मुद्रा से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
नजूल जांच,राजनांदगांव
मुहर

संक्षिप्त-खबर

शिक्षा विभाग पाटन द्वारा गणतंत्र दिवस में शिक्षकों एवं लिपिक का किया सम्मान

पाटन। विकासखंड पाटन में 77 वें गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर शिक्षा विभाग द्वारा एक गरिमामयी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विकास खंड शिक्षा अधिकारी श्री डी के देवांगन सर जी , बीआरसी पाटन श्री खिलावन चोपड़िया , सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री प्रदीप महिलांगे , श्रीमती आकांक्षा अग्रवाल, श्रीमती सरिता देशलहरे की उपस्थिति में संपन्न हुआ। समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में नवाचारी, उत्कृष्ट कार्य, कर्तव्यनिष्ठ एवं समर्पण भाव से सेवा देने वाले प्रधानपाठक श्री विरेंद्र कुमार साहू शासकीय प्राथमिक शाला-चंगोरी, श्री छत्तर राम ठाकुर प्रधानपाठक पूर्व माध्यमिक शाला झीट, श्रीमती शशिकला वर्मा प्रधानपाठक प्राथमिक शाला असोगा, श्री टेकेश्वर प्रसाद यदू सहायक शिक्षक प्राथमिक शाला खपरी, श्री प्रदीप कुमार वर्मा शिक्षक पूर्व माध्यमिक शाला खम्हरिया ड, श्री रोशन देशमुख संकुल समन्वयक बालक पाटन, श्री नितेश कुमार साहू संकुल समन्वयक गोड़पेंडरी, श्री माखनलाल वासनिक सहायक ग्रेड 3 कार्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी पाटन, श्री रवि कुमार ठाकुर सहायक ग्रेड 3 कार्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी पाटन, को उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री डी के देवांगन सर ने कहा कि राष्ट्र निर्माण में शिक्षक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। श्री खिलावन चोपड़िया बीआरसी ने कहा कि शिक्षक विद्यार्थी के भविष्य के निर्माता होते हैं उनके संपूर्ण परिश्रम एवं अनुशासन से ही विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा संभव हो पाती है। नवाचारी शिक्षक विरेन्द्र कुमार साहू ने अपनी मौलिक रचना देश भक्ति गीत की प्रस्तुति दिया गया। कार्यक्रम की संचालन श्री टिकेंद्र नाथ वर्मा सहायक ग्रेड 2 के द्वारा किया गया।

मुख्य रूप से कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षा विभाग में कार्यरत कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाना तथा उन्हें राष्ट्रहित एवं शैक्षिक उन्नयन के लिए निरंतर प्रेरित करना है। समारोह में विकासखंड कार्यालय के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे, कार्यक्रम सौहार्द पूर्ण देशभक्ति एवं उत्साह पूर्ण प्रेरणादायक वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

एसडीएम पाटन पहुंचे धान खरीदी केंद्र पाटन, खरीदी लिमिट बढ़ने से केंद्रों में जगह की जो रही दिक्कत, धान को तत्काल स्टेकिंग करने के दिए निर्देश, खाद्य विभाग के अधिकारी और किसान भी रहे मौजूद

पाटन। पाटन एसडीएम लवकेश ध्रुव ने आज धान खरीदी केंद्र पाटन पहुंचकर वहां पर आवश्यक निरीक्षण किया। उन्होंने इस दौरान खरीदे गए धान की स्टेकिंग तत्काल करने के निर्देश भी दिए साथ-साथ किसानों से चर्चा भी किया। बता दे की धान खरीदी का टोकन लिमिट बढ़ाने के बाद किसान अब ज्यादा ध्यान लेकर पहुंच जाएंगे। जिससे कि धान की कांटा करने के लिए जगह की कमी को देखते हुए तत्काल व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश भी दिए। इस दौरान खाद्य विभाग के अधिकारी एवं नगर पंचायत पाटन के पार्षद और किसान पुरुषोत्तम कश्यप, सेवा सरकारी समिति के अध्यक्ष नागेंद्र वर्मा भी मौजूद रहे। किसान पुरुषोत्तम कश्यप ने बताया कि टोकन का लिमिट बढ़ा तो दिया गया है लेकिन कल के लिए टोकन नहीं कट रहा है जिसे लेकर भी किसान काफी असमंजस की स्थिति में है। एसडीएम पाटन ने कहा कि किसानों की सभी समस्याओं को तत्काल गंभीरता से लेते हुए दूर किया जा रहा है। साथ ही साथ किसानों को धान बेचने में किसी प्रकार की दिक्कत ना हो इसका ध्यान रखा जा रहा है। उन्होंने समिति प्रबंधकों और खाद्य विभाग के अधिकारियों को लगातार मॉनिटरिंग करने के भी निर्देश दिए हैं।

छग जर्नलिस्ट वेलफेयर यूनियन पिथौरा इकाई के ब्लॉक अध्यक्ष बने अभिषेक राजा शुक्ला

छग पुलिस बल में चयन होने पर यूनियन परिवार के सुपुत्र को किया सम्मान

पिथौरा (समय दर्शन)। छग जर्नलिस्ट वेलफेयर यूनियन छत्तीसगढ़ प्रदेश के प्रदेशाध्यक्ष अमित गौतम के निर्देश व जिलाध्यक्ष बलराज नायडू की सहमति पर छग जर्नलिस्ट वेलफेयर यूनियन ब्लाक इकाई का पुनर्गठन की आवश्यक बैठक दिनांक 26 जनवरी को स्थानीय पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में आयोजित किया गया। बैठक में प्रमुख रूप से जिला पदाधिकारी बलराज नायडू जिला अध्यक्ष ,आनंद अग्रवाल जिला उपाध्यक्ष, गौरव चंद्राकर जिला सचिव,संतराम कुर्रे जिला संगठन सचिव,लोकनाथ खूंटे जिला सह सचिव, गोविंद शर्मा, संतोष गुप्ता, रमेश श्रीवास्तव जिला सलाहकार की मुख्य उपस्थिति में सर्वसम्मति अभिषेक राजा शुक्ला को पिथौरा ब्लाक अध्यक्ष मनोनीत किया गया तो वहीं

राजा बाबू उपाध्याय ब्लॉक सचिव, राजेश साव जिला सह सचिव, पूनम दास मानिकपुरी जिला सलाहकार ,चंद्रशेखर सिदार मीडिया प्रभारी के रूप में मनोनीत किया गया। इसके अलावा विकास अग्रवाल दैनिक भास्कर पिथौरा संवाददाता को यूनियन की नए सदस्यता ग्रहण कराई गई । तत्पश्चात संतराम कुर्रे जिला पदाधिकारी के सुपुत्र प्रकाश कुर्रे छत्तीसगढ़ पुलिस बल में चयन होने पर यूनियन परिवार ने प्रकाश को बधाई शुभकामनाएं प्रेषित कर संतराम को यूनियन के द्वारा सम्मान किया गया ।बैठक को जिलाध्यक्ष बलराज नायडू ने संबोधित करते हुए पत्रकार को एकजुट रहने की बात कहते हुए नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी

इस अवसर पर कीर्ति पांडे ब्लॉक उपाध्यक्ष,कमलेश डड़सेना ब्लॉक महा सचिव,राजकुमार अग्रवाल ब्लॉक कोषाध्यक्ष, बद्री प्रसाद दुबे,खगेश्वर साहू ब्लॉक मीडिया प्रभारी पत्रकार साथी उपस्थित रहे।

पेशा कानून, एफआरए और विकसित भारत-जी राम जी पर तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण संपन्न

राजनांदगांव/मोहला। जन कल्याण सामाजिक संस्थान, राजनांदगांव द्वारा 21 से 23 जनवरी तक मोहला में पेशा, एफ्आरए एवं विकसित भारत-जी राम जी कार्यक्रम पर तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण का सफल आयोजन किया गया। इसमें विकासखंड मानपुर के ग्राम पंचायत कोराचा, हलोरा और कंदाडी की सक्रिय ग्राम सभाओं के सदस्यों ने भाग लिया।

प्रशिक्षण का उद्देश्य ग्राम सभा सदस्यों को पेसा कानून (पीईएसए), वन अधिकार अधिनियम (एफ्आरए) विशेषकर सामुदायिक वन अधिकार (सीएफ्आर) तथा जंगल सीमांकन के लिए जीपीएस आधारित तकनीकी प्रक्रिया की व्यावहारिक जानकारी देना था, ताकि ग्राम सभाएं अपने संवैधानिक अधिकारों का प्रभावी उपयोग करते हुए वन संसाधनों के संरक्षण और प्रबंधन में सक्रिय भूमिका निभा सकें।

प्रशिक्षक श्रीमती सरस्वती धुर्वे ने सीएफ्आर से जुड़े कानूनी प्रावधानों, ग्राम सभा के वैधानिक अधिकारों, सामुदायिक दावा प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज और प्रशासनिक चरणों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सीएफ्आर कानून ग्राम सभा को वन संसाधनों के संरक्षण, संवर्धन और सतत उपयोग के अधिकार देता है, जो आदिवासी एवं वन-आश्रित समुदायों की आजीविका के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

प्रशिक्षण का प्रमुख आकर्षण जीपीएस आधारित जंगल सीमांकन रहा। प्रतिभागियों को जीपीएस उपकरण के उपयोग, पॉइंट व ट्रैक रिकॉर्डिंग, नक्शा निर्माण और डेटा संग्रह की तकनीकी जानकारी दी गई। फील्ड अभ्यास के दौरान प्रतिभागियों ने स्वयं जंगल का सीमांकन कर प्राथमिक नक्शा भी तैयार किया। कार्यक्रम में समूह चर्चा, केस स्टडी, अनुभव साझा करने के साथ प्रश्न-उत्तर सत्र आयोजित किए गए। प्रतिभागियों ने बताया कि प्रशिक्षण से उन्हें एफ्आरए और पीईएसए की व्यावहारिक समझ मिली है, जिससे ग्राम स्तर पर सामुदायिक दावों और प्रक्रियाओं को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी।

संस्थान के कार्यकर्ता हरिश कुमार ने कहा कि ऐसे क्षमता विकास कार्यक्रम ग्राम सभा को निर्णय की मूल इकाई बनाते हैं और आदिवासी समुदायों को अपने संसाधनों पर अधिकार सुनिश्चित करने में सहायक होते हैं।

समापन सत्र में संस्था के अध्यक्ष योगेन्द्र प्रताप सिंह ने प्रतिभागियों से अपील की कि वे प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान को गांवों में साझा करें और पीईएसए व एफ्आरए के प्रभावी क्रियान्वयन में सक्रिय भूमिका निभाएं।

ग्राम संबलपुर, बुकमरका, खेड़ेगांव, कोराचा, पिटेमेटा और बड़मा से विष्णु कुमेटी, निर्मल जाड़े, अशोक कांटेगा, श्रवण, मोहन, किशन साहू, देवेंद्र कुमार धुर्वे, सुरेंद्र कुमार, विनुता, रमाय कुमेटी, रामको और गजधार यादव उपस्थित रहे।

मनरेगा बचाओ संग्राम के लिए ब्लॉक समन्वयकों की नियुक्ति, काँग्रेस ने जारी किया सूची

दुर्ग। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आह्वान एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार पूरे प्रदेश में चलाए जा रहे मनरेगा बचाओ संग्राम को और अधिक प्रभावी एवं संगठित रूप देने के उद्देश्य से जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग (ग्रामीण) द्वारा महत्वपूर्ण नियुक्तियाँ की गई हैं। एआईसीसी महासचिव एवं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मार्गदर्शन एवं सुझाव के अनुरूप दुर्ग ग्रामीण जिले के विभिन्न विकासखंडों में समन्वयकों का चयन किया गया है, जिससे मनरेगा के अधिकारों की रक्षा, मजदूरों एवं ग्रामीण जनता की समस्याओं को मजबूती से उठाया जा सके। जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग (ग्रामीण) के अध्यक्ष राकेश ठाकुर द्वारा जारी नियुक्ति आदेश के अनुसार, चयनित समन्वयक अपने-अपने ब्लॉक में नगर एवं मंडल कांग्रेस कमेटियों, मोर्चा संगठनों तथा प्रकोष्ठों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए मनरेगा बचाओ संग्राम को जन-जन तक पहुँचाने का कार्य करेंगे।

रामदेव बाबा के माघ मेला के अंतिम दिन दर्शन के लिए उमड़े श्रद्धालु, हवनकुंड में नारियल अर्पित कर श्रद्धालुओं ने मनोकामना पूर्ण करने की प्रार्थना

दुर्ग। श्री रामदेव बाबा दरबार नवकार परिसर पुलगांव नाका में आयोजित 09 दिवसीय माघ मेला के अंतिम दिन बुधवार को दर्शन के लिए श्रद्धालु बड़ी संख्या में जुटे। दरबार में सुबह महाआरती व हवन पूजन किया गया। इस दौरान भजन-कीर्तन की धुन गुंजायमान रही। जिसके धुन में नाच-गाकर श्रद्धालुओं ने अपनी श्रद्धा-भक्ति प्रकट की, वहीं बापजी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का दिनभर तांता लगा रहा। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने हवनकुंड की परिक्रमा की और हवनकुंड में नारियल अर्पित कर मनोकामना पूर्ण करने प्रार्थना की। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि भी दर्शन के लिए श्री रामदेव बाबा दरबार पहुंचे। पूर्व विधायक अरुण वोरा, महापौर अलका बाघमार, दुर्ग जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल, नगर निगम एमआईसी प्रभारी निलेश अग्रवाल, समाजसेवी अरविंद वोरा, पूर्व पार्षद ऋषभ जैन (बाबू), कांग्रेस नेता अजय मिश्रा, राजकुमार पाली, सुशील भारद्वाज के अलावा अन्य जनप्रतिनिधियों एवं विभिन्न समाजसेवी संस्थाओं के प्रमुखों ने गुरुदेव सोहनलाल बापजी की शिष्या भक्तमाता शांतादेवी बापजी के दर्शन कर शहरवासियों की सुख-समृद्धि के लिए कामना की। दोपहर बाद महाप्रसादी (भंडारा) का आयोजन किया गया। महाप्रसादी ग्रहण कर श्रद्धालुओं ने पुण्य लाभ प्राप्त किया। इस दौरान श्री रामदेव बाबा दरबार के प्रमुख रमेश कुमार जैन, सुश्री पायल जैन, मनीष जैन, गौरव बजाज, प्रवीण पींचा, गौरव पींचा, गोविंद बजाज, संतोष छाजेड़, आशीष सोनी, दिनेश रुपारेल, राकेश धाड़ीवाल,गौतम धाड़ीवाल, प्रशांत शर्मा,पंकज शर्मा, बंटी पारख, महावीर बाफना, मनीष छाजेड़, नरेश भंडारी, निर्मल रुपारेल, मोंटी सोनी, गूंजा पींचा के अलावा अन्य सदस्य व्यवस्था बनाने में जुटे रहे। श्री रामदेव बाबा के माघ मेला में पूरे 09 दिन दरबार में श्रद्धा-भक्ति का अद्भुत माहौल निर्मित रहा। प्रतिदिन देश व प्रदेश के प्रसिद्ध भजन गायकों द्वारा जम्मा जागरण व भजनों की प्रस्तुति ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध किया। इस दौरान श्रद्धालुओं को परचों का लाभ भी मिला। माघ मेला में प्रदेश के अलावा अन्य राज्यों से भी श्रद्धालू बड़ी संख्या में शामिल हुए। जिससे दरबार में प्रतिदिन शाम से देर रात तक श्रद्धालुओं का मेला लग रहा हैं।

संस्कार द राइजिंग स्कूल परसकोल, बसना में श्रीमती राज वाधवा ने किया ध्वजारोहण

बसना(समय दर्शन)। भारतीय लोकतंत्र के महापर्व 77 वें गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर संस्कार द राइजिंग स्कूल, परसकोल, बसना में गरिमामय एवं देशभक्ति से ओत-प्रोत वातावरण में समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्रीमती राज वाधवा द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुआ। जैसे ही तिरंगा फहराया गया, पूरा परिसर भारत माता की जय और वंदे मातरम् के नारों से गूंज उठा।

इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन से जुड़े गणमान्य अतिथि मंचासीन रहे, जिनमें विद्यालय संचालकगण ओमप्रकाश अग्रवाल, श्रीमती किरण अग्रवाल , अशोक अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, श्रीमती मेघा अग्रवाल, विकास वाधवा , भावेश अग्रवाल एवं श्रीमती अलिशा अग्रवाल प्रमुख रूप से उपस्थित थे। सभी अतिथियों का विद्यालय परिवार द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया।

गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति गीत, समूह नृत्य, भाषण एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिन्हें उपस्थित अभिभावकों एवं अतिथियों ने खूब सराहा। बच्चों ने अपने कार्यक्रमों के माध्यम से संविधान के मूल्यों, देश की एकता-अखंडता और राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया।

कार्यक्रम को सफल एवं अनुशासित रूप देने में विद्यालय के प्राचार्य संजय तिवारी की भूमिका सराहनीय रही। उनके मार्गदर्शन में कार्यक्रम का संचालन सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। उन्होंने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को संविधान की गरिमा, कर्तव्यबोध और राष्ट्रनिर्माण में युवाओं की भूमिका के बारे में प्रेरक संदेश दिया।

अतिथियों ने अपने संबोधन में विद्यालय की शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों में देशभक्ति, अनुशासन एवं नैतिक मूल्यों का विकास होता है। उन्होंने विद्यालय परिवार को इस सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन हुआ। पूरे आयोजन के दौरान विद्यालय परिसर में देशभक्ति, उत्साह और उल्लास का वातावरण बना रहा।

बड़ी मशक्कत के बाद घुंघवा समिति में शुरू हुआ धान खरीदी

पाटन। सेवा सहकारी समिति घुंघवा में धान खरीदी लगभग 11 बजे तक शुरू नहीं हुआ था। इसकी जब खबर प्रसारित किया गया तो शासन प्रशासन में हरकत मचा और आनन फानन में किसानों के धान को गेट के अंदर कर धान खरीदी शुरू कराया गया। बहरहाल अभी भी दर्जनों किसानों का धान गेट के बाहर ही है। जानकारी मिली है कि पहले से खरीदे हुए धान का स्टेकिंग नहीं किया गया था जिसके कारण धान खरीदी केंद्र में जगह का अभाव था उसे आज सुबह से ही मजदूरी के द्वारा स्टेकिंग करने में विलंब हुई जिसके कारण किसानों का धान समय पर अंदर नहीं प्रवेश कर पाया। वहीं जब इसकी खबर प्रसारित हुई तब एसडीएम पाटन द्वारा इसे संज्ञान में लेते हुए तत्काल किसानों के धान खरीदी शुरू करवाई ।बताया जा रहा है कि धान खरीदी की लिमिट अचानक से बढ़ा दिए जाने के कारण भी किसान भारी संख्या में समिति पहुंच रहे हैं वहीं धान का सत्यापन भी नहीं हुआ है ।जिसके कारण से खरीदी में परेशानी होने लगी है। बहरहाल खरीदी शुरू हो गई है लेकिन व्यवस्था को लेकर किसानों में काफी आक्रोश है।

सभापति बनने के बाद पहली बार प्रकाश सिन्हा ने फहराया तिरंगा

सेवा, विकास और संविधान का संदेश देते हुए बसना अंचल में जगह-जगह प्रकाश सिन्हा ने किया ध्वजारोहण

बसना (समय दर्शन)। 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर बसना अंचल में देशभक्ति, गरिमा और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। शासकीय, सामाजिक एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न स्थानों पर ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

जनपद पंचायत बसना के सभापति प्रकाश सिन्हा ने जनपद पंचायत कार्यालय, महिला एवं बाल विकास विभाग कार्यालय, श्री गोविंद हॉस्पिटल, ग्राम पंचायत कूड़ेकेल एवं ग्राम जमड़ी सहित अनेक स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में सहभागिता कर तिरंगे को नमन किया।

जनपद पंचायत बसना कार्यालय में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में अध्यक्ष श्रीमती डिलेस्वरी निराला द्वारा ध्वजारोहण किया गया। कार्यक्रम में सभापति प्रकाश सिन्हा विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर समस्त अधिकारी-कर्मचारियों को गणतंत्र दिवस की बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि संविधान, लोकतंत्र और जवाबदेह प्रशासन ही मजबूत भारत की नींव हैं। उन्होंने कहा कि जनपद पंचायत शासन और जनता के बीच सेतु की भूमिका निभाती है और यहीं से विकास की सही दिशा तय होती है. साथ ही बसना नगर स्थित श्री गोविंद हॉस्पिटल में भी गणतंत्र दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण किया गया। इस दौरान हॉस्पिटल प्रबंधन, डॉक्टरों एवं समस्त स्टाफ को शुभकामनाएँ देते हुए श्री सिन्हा ने कहा कि मजबूत स्वास्थ्य सेवाएँ ही सशक्त समाज और सुदृढ़ राष्ट्र का आधार होती हैं। वहीं ग्राम पंचायत कूड़ेकेल में सरपंच भरत डडसेना एवं ग्रामीणों के साथ मिलकर ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर लंबे समय से सड़क एवं पुलिया निर्माण की मांग को लेकर संघर्ष कर रहे ग्रामीणों से भेंट-मुलाकात की गई। ग्रामीणों की एकता, धैर्य और संघर्ष का परिणाम रहा कि अब सड़क एवं पुलिया निर्माण कार्य प्रारंभ हो चुका है, जिससे पूरे गांव में हर्ष और उम्मीद का माहौल देखने को मिला। कूड़ेकेल स्कूल परिसर तथा नगर पंचायत बसना द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी सहभागिता की गई।

महिला एवं बाल विकास विभाग में पहली बार किया ध्वजारोहण- निर्वाचित होने के उपरांत सभापति बनने के बाद पहली बार महिला एवं बाल विकास विभाग कार्यालय में ध्वजारोहण करते हुए प्रकाश सिन्हा ने मातृशक्ति, परियोजना अधिकारी सुपरवाइजर, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं के सेवा-भाव की सराहना की। उन्होंने महिलाओं और बच्चों के सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए इस दिशा में निरंतर कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26